सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 64 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 17 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में 6 दिनों से घूम रही बाघिन का रेस्क्यू, सीएम साय ने दी वन विभाग को बधाई

■ वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर बाघिन का रेस्क्यू, एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम ने बाघिन को किया ट्रैंकुलाइज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बैकुंटपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशन में कोरिया वनमंडल के अंतर्गत आने वाले नगर निगम चिरमिरी के रिहायशी इलाकों में बीते एक सप्ताह से विचरण कर रही बाघिन को ट्रैंकुलाइज करने के बाद सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। इस सफलता पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वन विभाग के कर्मचारियों की सराहना की है। सीएम साय ने कहा कि बैकुंठपुर क्षेत्र में विचरण करती बाघिन के प्रमाण मिले थे। वन विभाग ने तत्परता से प्रयास करते हुए बाघिन को बचा कर उसके साथ-साथ आस-पास के गांव वालों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की।

सरगुजा से वन संरक्षक (वन्यप्राणी) केआर बढ़ई की अगुवाई में बाघिन को रेस्क्यू करने कानन पेंडारी से डॉ. पीके चंदन, तमोर पिंगला एलीफेंट रेस्क्यू सेंटर से डॉ. अजीत पांडेय व जंगल सफारी रायपुर से डॉ. वर्मा पहुंचे थे। उनकी निगरानी में सोमवार शाम 4 बजे बाघिन को रेस्क्यू कर सुरक्षित ले जाया गया। मादा बाघ को नगर निगम चिरमिरी के हल्दीबाड़ी बघनच्चा दफाई के पास जंगल में ट्रैंकुलाइज किया गया। फिर उसे ग्रीन नेट से ढंककर पिंजरे

में डाला गया। इसके बाद वन विभाग के ट्रक में लोड कर ले जाया गया। इस दौरान बाघिन को देखने बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। वन मुख्यालय रायपुर से निर्देश मिलने पर बाघिन को किसी टाइगर रिजर्व छोड़ा जाएगा।

बैकुण्ठपुर के पूर्वी साजापहाड़ बीट में देखी गई थी बाघिन

बीते एक सप्ताह से कोरिया वनमण्डल बैकुण्ठपुर के पूर्वी साजापहाड़ बीट में बाघिन के विचरण के प्रमाण मिलने के बाद से ही वन विभाग का अमला पूरी तरह से अलर्ट रहकर लगातार निगरानी बनाए हुए था। बाघिन के विचरण क्षेत्र में वनों के चारों ओर गांव बसे हुए हैं, इसको ध्यान में रखते हुए विशेष सावधानी बरती जा रही थी। वन मंडलाधिकारी ने बाघिन के रेस्क्यू और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वनसंरक्षक वन्यप्राणी को पत्र लिखकर ट्रैंकुलाईजेशन और परिवहन की अनुमति भी मांगी थी।

ट्रैप कैमरे से हुई थी बाघिन के विचरण की पुष्टिः वनमंत्री केदार कश्यप

प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि इस बाघिन के विचरण की पुष्टि ट्रैप कैमरा एवं प्रत्यक्ष रूप से हुई थी। इसके बाद वन विभाग का अमला सक्रिय होकर ग्रामीणों और चरवाहों को सावधानी बरतने तथा जंगल ने जाने की लगातार हिदायत दे रहा था। वनमंत्री ने बताया कि यह बाघिन सोमवार को नगर निगम चिरमिरी के वार्ड क्रमांक 15 एवं 6 नम्बर गोलाई (बगनचा) में एक बाड़ी में घुस गई थी। गश्ती दल बाघिन के मूव्हमेंट पर चौबीसों घंटे निगरानी रख रहा था। बाघिन ने 2 मवेशियों का शिकार भी किया था।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड : रायपुर, सरगुजा, बस्तर संभाग में शीतलहर, मैदानी इलाकों में दुर्ग सबसे ठंडा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उत्तर से आ रही हवा के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रायपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग में कई जगहों पर शीतलहर चल रही है। अमरकंटक में रात का पारा 2 डिग्री हो गया है। इससे लगे छत्तीसगढ़ की सीमा पर बर्फ की चादर बिछ गई है। मैदानी इलाकों की बात की जाए तो दुर्ग सबसे ठंडा रहा। दुर्ग में रात का तापमान 6.2 डिग्री रिकार्ड किया गया।

बता दें कई जिलों में रात का पारा सामान्य से 6 डिग्री तक कम हो गया है। रायपुर में सोमवार को न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से करीब 5 डिग्री कम है। सोमवार को बलरामपुर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री रहा। वहीं सरगुजा में रात का पारा 4 डिग्री पारा रहा। मैदानी इलाकों में दुर्ग सबसे ठंडा रहा। यहां रात का पारा 7.2 डिग्री रहा जो औसत से करीब 7 डिग्री कम था। भिलाई और दुर्ग में सुबह और शाम के वक्त अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं जगदलपुर में पारा 8.5 डिग्री रहा जो सामान्य से 3.4 डिग्री कम रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के कारण अगले कुछ दिन समुद्र से नमी वाली हवा आएगी। जिससे कहीं-कहीं पर बादल छाएंगे। इसके बाद कुछ जगहों पर हल्की बारिश होने की भी संभावना है। अमरकंटक से लगे छत्तीसगढ़ के पकरिया, जलेश्वर महादेव, करंगा, धनौली, कबीर चबूतरा, अरपा उदगम में कड़ाके की ठंड है। पेंड्रा में रात का पारा 7 डिग्री पहुंच गया है। सरगुजा संभाग के जिलों में शीतलहर चलने की संभावना है। प्रदेश में अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम से नमी युक्त हवा आने के कारण न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री की बढ़ोतरी होने की सम्भावना है।

एक देश-एक चुनाव : लोकसभा में विधेयक पेश, विपक्ष ने बताया संविधान के खिलाफ

कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने प्रस्तुत किया बिल

नईदिल्ली ए.। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एकसाथ कराने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक मंगलवार को लोकसभा में पेश किया गया। संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 जिसे एक राष्ट्र-एक चुनाव विधेयक के रूप में जाना जाता है, इसे केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने पेश किया। कानून मंत्री मेघवाल ने केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े 3 कानूनों में संशोधन का बिल भी पेश किया। इसमें द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट-1963, द गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफदिल्ली- 1991 और द जम्मू एंड कश्मीर रीऑर्गनाइजेशन एक्ट- 2019 शामिल हैं। इसके जरिए जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए भी संशोधन किया जा सकता है। वहीं विपक्ष ने इस विधेयक का विरोध किया है। विपक्ष ने विधेयक को असंवैधानिक बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की।

बिल पेश होने से पहले केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय ने कहा कि आजादी के बाद से चुनाव आयोग लोकसभा और विधानसभाओं के 400 से ज्यादा चुनाव करा चुका है। अब हम एक देश, एक चुनाव का

कॉन्सेप्ट लाने जा रहे हैं। एक हाईलेवल कमेटी इसका रोडमैप बना चुकी है। इससे प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी, चुनाव संबंधी खर्च में कमी आएगी और नीतिगत निरंतरता को बढ़ावा मिलेगा। इधर राज्यसभा में संविधान पर विशेष चर्चा दूसरे दिन भी जारी रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 दिसंबर को लोकसभा में संविधान पर विशेष चर्चा में भाग लिया था। चर्चा के दौरान उन्होंने कांग्रेस को संविधान का शिकार करने वाली पार्टी बताया था।

अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर नड्डा ने कांग्रेस को घेरा

राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि अनुच्छेद 370 के तहत धारा 35ए बिना संसद की मंजूरी के जोड़ी गई। 35ए ही यह तय करता है कि जम्मू कश्मीर का नागिरक कौन होगा। नड्डा ने कहा कि देश के कई कानून जम्मू कश्मीर में लागू ही नहीं होते थे। देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान हो गए थे। नड्डा ने कहा कि बंटवारे के बाद पाकिस्तान से आए कई लोग इस देश में प्रधानमंत्री बने, लेकिन जम्मू कश्मीर में ऐसे लोग पंचायत के अध्यक्ष तक नहीं बन सकते थे। जम्मू कश्मीर में पंजाब से सफाई कर्मचारी लाए गए थे और अनुच्छेद 370 के चलते उन सफाई कर्मचारियों के बच्चे सिर्फ सफाई कर्मचारी की नौकरी कर सकते थे न वो डॉक्टर बन सकते थे और न ही इंजीनियर। आज प्रधानमंत्री मोदी की वजह से जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया है।

चुनाव आयोग को दी जा रहीं कई शक्तियां : कल्याण बनर्जी

टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि संविधान संशोधन के तहत चुनाव आयोग को काफी शक्तियां दी जा रही हैं, जिसके बाद राज्य सरकारें चुनाव आयोग के सामने कुछ नहीं रह जाएंगी। कल्याण बनर्जी ने कहा कि यह विधेयक संविधान के खिलाफ है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने भी विधेयक का विरोध किया। वहीं एनडीए की सहयोगी तेदेपा ने विधेयक को समर्थन देने की बात कही।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया संविधान के खिलाफ

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह लोगों के वोट देने के अधिकार पर हमला है। चुनाव आयोग को इस विधेयक में बहुत ज्यादा अधिकार दिए गए हैं। संविधान में चुनाव आयोग को सिर्फ चुनाव कराने की व्यवस्था करने का ही प्रावधान किया गया है, लेकिन इस विधेयक में राष्ट्रपति के चुनाव आयोग से चुनाव को लेकर सलाह लेने का प्रावधान दिया गया है, जो संविधान के खिलाफ है।

आईईडी की चपेट में आया ग्रामीण धमाके में चीथड़े उड़े, जवानों के लिए नक्सलियों ने किया था प्लांट

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आईईडी की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत हो गई। ग्रामीण लकड़ी लेकर लौट रहा था इस दौराप पेड़ के नीचे आराम करने बैठा तभी उसका पैर आईईडी पर पड़ा जिससे ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट में उसके दोनों पैर शरीर से अलग हो गए और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से आईईडी प्लांट किया था लेकिन ग्रामीण इसकी चपेट में आ गया।

मिली जानकारी के अनुसार घटना बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर बसे कोशलनार गांव है। सोमवार को कोशलनार गांव निवासी मनारू अकाली (35) पहाड़ की ओर से लकड़ी लेकर लौट रहा था। लौटते समय एक पेड़ के नीचे रूका। यहां नक्सलियों ने जवानों को टारगेट करने आईईडी प्लांट कर रखा था। मनारू अकाली अंजाने में इसी आईईडी की चपेट में आ गया। इससे इतना जोरदार धमाका हुआ कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी। धमाके की आवाज सुनकर जंगल-पहाड़ की तरफ मौजूद अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। ग्रामीण शव को गांव लेकर गए और पुलिस को भी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

10 चिकित्सा अधिकारी व 19 डेंटिस्ट को मिली नियुक्ति

सीएम साय की पहल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के द्वारा राज्य में 10 चिकित्सा अधिकारियों, 19 दंत चिकित्सक, निश्चेतना विशेषज्ञ और पैथोलॉजिस्ट की संविदा नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश में निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ अजीत कुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पत्थलगांव तथा पैथोलॉजिस्ट डॉ अनुभव वर्मा को जिला अस्पताल बिलासपुर में पदस्थ किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार इजाफा किया जा रहा है। उन्होंने कहा है में मुख्यमंत्री की पहल पर स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के

लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं और राज्य के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की पदस्थापना भी इसी पहल का परिणाम है। बीते एक साल के भीतर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के द्वारा 800 से ज्यादा चिकित्सा अधिकारियों, विशेषज्ञ चिकित्सक और अन्य चिकित्सा स्टाफ की नियुक्ति की जा चुकी है।

10 चिकित्सा अधिकारियों में डॉ. राकेश कुमार खोब्रागढ़े को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर- दोरनापाल जिला सुकमा, डॉ. अभयजीत गोलदार को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पेण्ड्रा जिला- गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, डॉ. दीपाली मरकाम को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर शीतला पारा जिला कांकेर, डॉ. शुभम पाण्डेय को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र- मुंगेली जिला-मुंगेली, डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर खपरी वार्ड नं. 01. सरगांव जिला- मुंगेली, डॉ. तस्लीम फातिमा को शहरी प्राथ. स्वास्थ्य केन्द्र धमधा नाका जिला- दुर्ग, डॉ आकाक्षा कोरेटी को जिला अस्पताल जिला- दुर्ग, डॉ अब्दुर राजिक खान को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर रामेश्वर नगर जिला- रायपुर, डॉ. अर्जुन सिंह बंजारे को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर सतनामीपारा साईनाथ कॉलोनी जिला-रायपुर, डॉ. संवेग दिनकर को जिला अस्पताल कालीबाड़ी जिला-रायपुर में पदस्थापित किया गया है।

जारी पदस्थापना आदेश में 19 दंत चिकित्सको में से डॉ सुबी को यूपीएचसी बैकुंठधाम दुर्ग, डॉ. नेहा मिश्रा को यूपीएचसी पोटियाकला दुर्ग, डॉ. प्रसना सोनी को यूपीएचसी खुर्सीपार दुर्ग, डॉ प्रीतिका साहू को यूपीएचसी चरौदा दुर्ग, डॉ दीपा तिवारी को सीएचसी एस लोहारा कबीरधाम, डॉ रंजना दान को सीएचसी शंकरगढ़ जिला बलरामपुर, डॉ ऋषि राज को सीएचसी पथरिया, डॉ सी नाग को सीएचसी मणिपुर गरियाबंद, डॉ. अरूणिमा चौहान को सीएचसी लैलूंगा रायगढ़, डॉ. परमेश्वर पात्र को सीएचसी धनोरा कोण्डागांव, डॉ. श्रद्धा को सीएचसी पलारी बलौदाबाजार, डॉ. मधु राठौर को सीएचसी मालखरौदा सक्ती, डॉ हेम सिंह को सीएचसी विजयनगर रायगढ़, डॉ प्रज्ञा लोधी को सीएचसी मंदिर हसौद रायपुर, डॉ वसुंधरा कश्यप को सीएचसी खरौद जिला जांजगीर-चांपा, डॉ मालविका मशीह को सीएचसी तखतपुर बिलासपुर, डॉ. लीना को सीएचसी अंबागढ़-चौकी, डॉ. रश्मि को सीएचसी नरहरपुर कांकेर, डॉ रणजीत खाण्डे को सीएचसी मानपुर में संविदा नियुक्ति दी गई है।

छत्तीसगढ़ में आरक्षक भर्ती : दस्तावेजों की जांच के लिए तय हुई नई डेट

भिलाई। जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 की भर्ती प्रक्रिया पर हाईकोर्ट से भर्ती प्रक्रिया पर रोक हटने के बाद अब अभ्यर्थियों के लिए नई तिथि जारी कर दी गई है। इस संबंध संसोधित तिथियों की सूची जारी कर दी गई है। पुलिस मुख्यालय के अधिकारिक वेबसाइट पर सूची उपलब्ध है।

बता दें पुलिस भर्ती प्रक्रिया में पुलिस कर्मियों के परिवार को विशेष छूट के खिलाफ धतरी के बेद राम टंडन ने याचिका लगाई थी। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर प्रथम चरण अंतर्गत अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच, शारीरिक नापजोख एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा पर 27 नवंबर को रोक लगा दी गई। इसके बाद 6दिसंबर को हाईकोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया पर लगी रोक को हटा दिया था। स्थगन अवधि के दौरान दस्तावेजों की जांच, शारीरिक नापजोख एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा वंचित अभ्यर्थियों हेतु नवीन तिथियों में भर्ती प्रक्रिया के प्रथम चरण अंतर्गत दस्तावेजों की जांच, शारीरिक नापजोख एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन किया जाना है।

इस संबंध में नई तिथि जारी कर दी गई है। इस हेतु अभ्यर्थियों को पृथक से प्रवेश पत्र जारी नहीं किये जायेंगे। पूर्व में जारी किये गये प्रवेश पत्र की प्रति सहित अभ्यर्थी संबंधित परीक्षा केन्द्रों में नई तिथियों में भर्ती प्रक्रिया के प्रथम चरण अंतर्गत दस्तावेजों की जांच, शारीरिक नापजोख एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु उपस्थित होंगे।

जिंदा चूजा निगलने की मन्नत

श्रीकंचनपथ

संतान प्राप्ति के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। प्राचीन इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग मिल जाएंगे जब संतान प्राप्ति के लिए किसी खास ऋषि का आशीर्वाद लिया गया। राजा-महाराजा पुत्र कामेष्टि यज्ञ भी करवाते थे। यज्ञ के प्रसाद से भी संतानों की उत्पत्ति होती थी। कोई सेब खाकर गर्भधारण करती थी तो कोई खीर खाकर। आधुनिक वैज्ञानिक युग में ये बातें हैरान कर सकती हैं पर कुछ लोगों की आज भी इसमें अटूट आस्था है। अब भी लोग मंदिरों में घंटा बांधने से लेकर मजारों में चादर चढ़ाने तक कई प्रकार के जतन संतान प्राप्ति के लिए करते हैं। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के दरिमा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम छिंदकालो से भी एक ऐसी ही घटना सामने आई है। यहां एक युवक शादी के कई साल बाद भी संतान के लिए तरस रहा था। उसने पड़ोसी गांव की एक महिला से सम्पर्क किया। वो लोगों को तरह-तरह के टोटके बताती थी। उसके कहने पर उसने संतान होने पर काले रंग का जिन्दा चूजा निगलने की मन्नत मांग ली। कुछ समय पहले उसे एक पुत्र की प्राप्ति हुई। बेटे का मुंडन संस्कार पिछले सप्ताह किया गया। दो दिन पहले उसने मन्नत के अनुसार काले रंग का जीवित चूजा खरीदा और उसे निगल गया। चूजा श्वांस नली में फंस गया और दम घुटने से उसकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टरों को जब उसकी श्वांस नली में साबुत चूजा मिला तब बात का खुलासा हुआ। आधुनिक शिक्षित समाज चाहे तो इस पर जी भर कर हंस सकता है, अफसोस भी कर सकता है। पर वह खुद भी इसी अंधविश्वास में जकड़ा हुआ है। जब पाठ-पूजा से संकट दूर हो सकते हैं, पितरों का मोक्ष हो सकता है तो टोटकों से बच्चे क्यों नहीं हो सकते? हमारे लिए विज्ञान भी हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत और सामाजिक विज्ञान की तरह एक विषय मात्र है। विज्ञान में टॉप करने का मतलब यह नहीं है कि आपकी सोच भी वैज्ञानिक हो जाएगी। भक्ति, श्रद्धा और आस्था का इससे कोई लेना देना नहीं है। भक्ति तो अब शक्ति का पर्यायवाची है। यदि अंटी में दम हो तो आप सबसे बड़ा भक्त बनकर दिखा सकते हो। दान-दक्षिणा देते रहो, स्वर्ग जाने की सोने की सीढ़ी प्रकट हो जाएगी। दरअसल, ये सभी आजीविका के साधन हैं। प्राचीन भारतीय समाज में सबकी भूमिका और आजीविका के साधन सुनिश्चित किये गये थे। किसान, लुहार, बढ़ई, कुम्हार से लेकर नापित, पुरोहित सबकी चिंता और भूमिका निश्चित थी। आधुनिक समाज में ये सभी अप्रांसगिक हो चुके थे। अब नए सिरे से उनकी पुनर्स्थापना हो रही है। सरकार ने रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी दी थी। यह भी एक तरह का रोजगार ही है। शिक्षित युवा पूजा पाठ करा रहे हैं। प्रवचनकारों, भजन मंडलियों को रोजगार मिल रहा है। काश! इनकी विद्या सीमा पर शांति बहाल करने, जल, जमीन और जंगलों की सुरक्षा करने के भी काम आती। विश्व अनावश्यक खून-खराबे से बच जाता।

संपादकीय

जनता हकीकत पसंद करती है, कहानी नहीं

देश की जनता ऐसे नेता को पसंद करती है, जो हकीकतपसंद है यानी जनता को हकीकत बताता है, तथ्यों के साथ। उसकी बात जनता को विश्वासयोग्य लगती है,इसलिए वह ऐसे नेता की बातों को पसंद करती है तथा उसे अपना नेता मानती है,चुनाव में एक बार चुनती है, उसके बाद बार चुनती है। किसी नेता का बार बार चुना जाना ही इस बात का प्रमाण है, वह देश के लोगों के भरोसेमंद है, देश की जनता उस पर,उसकी बातों पर भरोसा करती है। वह मानती है कि देश के लिए अच्छे काम इसी ने किए हैं, जिससे देश को फायदा हुआ है।जनता के लिए अच्छे काम इसी ने किए है, इससे जनता को फायदा हुआ है। जिस नेता के काम से देश व जनता को फायदा होता है, उस पर जनता भी भरोसा करती है और देश भी भरोसा करता है।

> ***"भले ही कोई दूसरा नेता उसके बारे में झूठी कहानी लेकर आए और लोगों को बताए कि देखो पहले भी यह लोग ऐसा ही करते थे और आज भी ऐसा कर रहे हैं। लेकिन उसकी कही गई बातों पर जनता ने न तो पहले भरोसा किया और न आज करने वाली है।क्योंकि उसके पास कहने को सच नहीं है, झूठ है सिर्फझूठ। गढ़ा हुआ झूठ। जिसका पता एक दिन सबको चल जाता है।झूठ का पता चलने पर वह नेता और भरोसे के लायक नहीं रह जाता है। क्योंकि जनता जान जाती है कि यह झूठ कहकर सच्चे नेता की छवि खराब करना चाहता है और खुद उससे बड़ा नेता बनना चाहता है, वह यह सच नहीं जानता है कि बड़ा नेता वही जो काम करता है, जो बड़ा काम करता है, वह आदमी बड़ा नेता वह कभी नहीं बनता है जो झूठ बोलता है, बड़ा झूठ बोलता है।***

एक नेता है पीएम मोदी और दूसरे नेता है राहुल गांधी। मोदी कुछ कहते हैं तो तथ्यों के साथ कहते हैं, इसलिए उनकी बात भरोसे लायक लगती है, उसकी पुष्टि कई तरह से की जा सकती है।संविधान के 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर जब पीएम मोदी कहते हैं कि गांधी परिवार की हर पीढ़ी ने संविधान के छेड़छाड़ की है,उसका अपमान किया है तो वह यूं ही कोई कहानी बनाकर नहीं कह देते हैं, वह इसके लिए उदाहरण देते हैं, जिसकी पुष्टि कई तरह से की जा सकती है, यह सच है या नहीं है क्योंकि कांग्रेस ने जो कुछ किया है, जो कुछ कहा है, सब इतिहास में दर्ज है। उसे मिटाया नहीं जा सकता, दबाया नही जा सकता। पीएम मोदी जब कहते हैं कि कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाने का पाप किया है तो यह सच है,पीएम मोदी जब कहते हैं कि गांधी परिवार की हर पीढ़ी ने सत्ता में रहते हुए संविधान से छेड़छाड़ किया है,उसका अपमान किया है तो यह सच है।जब वह कहते हैं कि गांधी परिवार ने देश में पिछले 75 साल में 55 साल इस देश में राज किया है और संविधान को नुकसान पहुचाने में कोई कसर नहीं छोडी़ है तो यह सच है।

वहीं राहुल गांधी को संसद में संविधान पर बोलने का मौका मिला तो उन्होंने क्या किया है। एकलव्य की कहानी लेकर आ गए,वह भी ऐसी कहानी जो वामपंथी लोगों ने हिंदू समाज और सनातन को बदनाम करने के लिए बनाई थी और सब जानते हैं कि यह कहानी झूठी है।हकीकत में एकलव्य से गुरु द्रोण ने गुरु दक्षिणा मांगी थी लेकिन गुरु दक्षिणा में काटकर अंगूठा देने को नहीं कहा था, धनुष चलाने में अंगूठे का उपयोग नहीं करने को कहा था।एकलव्य ने ऐसा ही किया था, इससे एकलव्य ने बिना अंगूठे के ही धनुष चलाकर नए तरह से धनुष चलाना सीख गया था। गुरु द्रोण ने एकलव्य के साथ कोई अन्याय नहीं किया था, वह जानते थे कि एकलव्य बिना अंगूठे के भी धनुष चला सकता है, इसलिए उन्होंने उनको गुरुदक्षिणा में एकलव्य से यह मांगा कि वह बिना अंगूठे का उपयोग किए धनुष चलाएगा।

राहुल गांधी इसी वामपंथियों की इसी झूठी कहानी को आधार बनाकर भाजपा पर आरोप लगा रहे है कि वह किसानों का अंगूठा काट रही है,कारोबारियों का अंगूठा काटा जा रहा है,जैसे गुरु द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा काटा वैसे ही भाजपा देश के युवाओं का अंगूठा काट रही है।राहुल गांधी भाजपा कैसे किसानों का अंगूठा काट रही है, एक उदाहरण नहीं दे पाते हैं जबकि भाजपा ने किसानों के लिए इतना किया है कि किसी सरकार ने नहीं किया है। अब किसान राहुल गांधी की बात पर भरोसा करेंगे कि किसानों के हित में काम करने वाली भाजपा सरकार व मोदी सरकार पर भरोसा करेगी। बार बार मोदी सरकार बन रही है, कांग्रेस को जनता नकार रही है तो साफ है जनता तो भाजपा व मोदी की बातों पर कामों पर भरोसा कर रही है, राहुल गांधी के झूठ पर यकीन नहीं कर रही है। युवाओं के लिए, कारोबारियों के लिए मोदी सराकर ने दस साल में बहुत काम किए है उनके हित में योजनाएं बनाई हैं, नीतियां बनाई हैं तब ही युवा व कारोबारी आज मोदी के साथ हैं। राहुल गांधी के साथ नहीं है।

सीधी सी बात है कि जो तथ्यों के आधार पर बात करता है, अपने काम, अपनी योजनाओं के आधार पर बात करता है,जनता उसकी बात पर भरोसा करती है, झूठी कहानी सुनाकर लोगों को गुमराह करने वालों पर जनता भरोसा नहीं करती है। राहुल गांधी को दस साल बात यह बात समझ नहीं आ रही है तो आगे भी शायद समझ नहीं आने वाली हैं। वह झूठी कहानी सुनाते रहेंगे और जनता उस पर यकीन नहीं करती रहेगी।जनता उनके साथ खड़ी नहीं होगी,जब भी चुनाव होगा तो जनता भाजपा व मोदी को चुनेगी और कांग्रेस व राहुल गांधी को फिर झूठ कहने पर नकार देगी। राहुल गांधी जब तक वामपंथियों के चक्कर में फंसकर झूठ कहते रहेंगे वह देश के लोगों के लिए भरोसे का नेता नहीं बन सकेंगे।

वन नेशन वन इलेक्शन लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने की दिशा में बढ़ता कदम

नजरिया

17 दिसंबर को लोकसभा में केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा एक देश एक चुनाव से संबंधित विधेयक पेश करने के साथ ही देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होने की दिशा में एक कदम और बढ़ जाएगा। हांलाकि सरकार इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने की मंशा व्यक्त करती रही है ताकि इस पर सांसदीय समिति के माध्यम से गंभीर मंथन और चिंतन हो सके।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

हांलाकि अभी एक देश एक चुनाव की दिशा में बढ़ते कदमों में स्थानीय निकायों के चुनावों की प्रकिया बाकी है जिस पर सरकार ने अभी गंभीरता नहीं दिखाई है और उसका कारण भी है कि उस प्रस्ताव के विधेयक को विधानसभाओं से भी पारित करवाया जाना होगा। खैर लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते हैं तो भले ही कांग्रेस सहित विपक्ष विरोध कर रहे हो पर माना जाना चाहिए कि यह सही दिशा में बढ़ता कदम होगा। ऐसा नहीं है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए यह कोई नई बात हो बल्कि आजादी के समय से ही देश में एक साथ चुनाव कराने पर बल दिया जाता रहा है। 1952, 1957, 1962 और 1967 के चुनाव इसके उदाहरण है। 1968 से विधानसभाओं को भंग करने का जो सिलसिला चला उसने पूरे हालात ही बदल दिए और उसके बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग अलग होने लगे। केवल सहूलियत ही मानलो अन्यथा अलग अलग चुनावों के दुष्परिणाम अधिक ही सामने आते हैं। यह केवल चुनावों पर होने वाले सरकारी और गैरसरकारी खर्चों तक ही सीमित ना होकर अलग अलग चुनाव होने से एक नहीं अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं।

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग अलग होने से करीब एक साल तक चुनी हुई सरकार पंगु ही बन कर रह जाती है। इसको राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों के चुनावों से इस तरह से समझा जा सकता है। हांलाकि यह उदाहरण मात्र है और सभी प्रदेशों पर समान तरीके से लागू होता है। नवंबर दिसबंर में राजस्थान की विधानसभा के चुनाव होते हैं। सरकार बनते ही अपनी प्राथमिकता भी तय कर पाती है जब तक बजट की तैयारी में जुटना पड़ता है क्योंकि अब फरवरी में ही बजट सेशन होने लगे हैं। मई जून में लोकसभा के चुनाव के कारण अप्रेल से ही आचार संहित लगने की तलवार लटक जाती है और फिर करीब डेढ़ माह का समय आचार संहिता को समर्पित हो जाता है। इसके कुछ समय बाद ही या यों कहे कि परिवर्तित बजट से निपटते निपटते सरकार के सामने स्थानीय निकायों व पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव का समय हो जाता है और उसके कारण लंबा समय इन चुनावों के कारण आचार संहिता के भेंट चढ़ जाता है। इस बीच में कोई कोई ना कोई उप चुनाव आ जाते हैं तो उसका असर भी चुनी हुई सरकार को भुगतना पड़ता है। जैसे तैसे चौथा साल पूरा होने को होता है कि सरकार ताबड़तोड़ निर्णय करने लगती है और इनके क्रियान्वयन का समय आते आते चुनाव आचार संहिता लग जाती है। इस तरह से एक बात तो साफ हो जाती है कि पांच साल के लिए चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकार का कमोबेस करीब एक साल का समय तो चुनाव आचार संहिताओं के ही भेंट चढ़ जाता है। यह तो केवल लोकतांत्रिक जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के कार्यों के प्रभावित होने का एक उदाहरण मात्र है।

अब अलग अलग चुनाव होने से चुनाव पर होने वाले सरकारी और गैर सरकारी खर्चों पर भी ध्यान दिया जा सकता है। 1952 के पहले चुनाव में सरकारी व गैरसरकारी जिसमें राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वालों का खर्च भी शामिल है वह करीब 10 करोड़ के आसपास रहा। 2010 के आमचुनाव में 10 हजार करोड़ रु. का व्यय माना जा रहा है जो 2019 में 55 हजार करोड़ और 2024 के आमचुनावों में एक लाख करोड़ को छू गया है। इसमें चुनाव आयोग, प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ ही राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों द्वारा होने वाला खर्च शामिल है। हालांकि मोदी सरकार आने के बाद से ही 2014 से एक देश एक चुनाव पर चर्चा का सिलसिला चल निकला था। 2017 में नीति आयोग ने इसे उपयुक्त बताया और 2018 में संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इसे सही दिशा बताया। सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय कमेटी बनाई गई और 65 बैठके कर 18626 पन्नों की रिपोर्ट इसी साल मार्च, 24 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पेश की गई। यदि इन सभी सिफारिशों को लागू किया जाता है तो 18 संसोधनों की आवश्यकता होगी। हांलाकि सरकार ने अभी एक हिस्से यानी कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने की दिशा में कदम बढ़ाती लग रही है। और माना जा रहा है कि 2029 के चुनाव नई व्यवस्था यानी कि एक देश एक चुनाव वन नेशन वन इलेक्शन से हो। हांलाकि इसके लिए चुनाव आयोग व सरकारों को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी पर यदि एक बार यह सिलसिला चल निकलेगा तो इसे लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत ही माना जाएगा।

राजनीतिक दलों द्वारा यह शंका व्यक्त की जा रही है कि इससे छोटे व स्थानीय दलों के अस्तित्व पर ही संकट आ जाएगा। इसके साथ ही वोटिंग पेटर्न प्रभावित होगा। चुनाव में कानून व्यवस्था बनाए रखने और चुनाव के लिए मशीनरी भी अधिक लगाने की बात की जाती है तो खर्चे व आधारभूत सुविधाओं यथा ईवीएम मशीन, वीवीपेट मशीन, उनके रखरखाव सहित अन्य आवष्यक संसाधनों की आवश्यकताओं को लेकर भी शंका व्यक्त की जा रही हैं। हालांकि जिस तरह से चुनाव आयोग ने संसाधनों का आकलन कर अपनी आवश्यकताएं सरकार को बता दी है उससे लगता है कि चुनाव आयोग भी वन नेशन वन इलेक्शन के लिए मानसिक रुप से पूरी तरह से तैयार है। 2029 के चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा 7951 करोड़ रुपए का खर्च अनुमानित किया गया है। राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों सहित अन्य खर्च अलग होंगे। वन नेशन वन इलेक्शन के सकारात्मक पक्ष भी है और उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। वन नेशन वन इलेक्शन हमारे देश के लिए कोई नई बात नहीं है उसी तरह से दुनिया के अन्य देशों जर्मनी, जापान, दक्षिणी अफ्रीका, स्वीडन, इंडोनेशिया, फिलिपिंस आदि में भी एक साथ चुनाव होते रहे हैं। कोविंद कमेटी ने जर्मनी के चुनाव पेटर्न को बेहतर व अनुकरणीय भी माना है। खैर यह अलग बात है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि एक साथ चुनाव होने से संसाधन तो एक बार जुटाने होंगे पर उसके बाद व्यवस्था सुनिश्चित हो जाएगी। आजादी के 75 साल से भी अधिक समय हो जाने के बाद जिस तरह से मतदाताओं की उदासीनता देखी जा रही है वह निश्चित रुप से कम होगी। राजनीतिक दल भले ही आज विरोध कर रहे हैं पर एक साथ चुनाव से उन्हें भी कम मशक्कत व एक बार ही मशक्कत करनी होगी। प्रचार सामग्री से लेकर प्रचार अभियान को आसानी से संचालित किया जा सकेगा। योजनाबद्ध प्रयासों से विधानसभा व लोकसभा प्रत्याशियों का एक साथ प्रचार अभियान संचालित हो सकेगा जिससे अलग अलग चुनाव होने से बार बार होने वाले व्यय में कुछ हद तक राजनीतिक दलों को भी कम खर्च करना पड़ेगा। चुनी हुई सरकारों को बार बार आचार संहिता के संकट से गुजरना नहीं पड़ेगा और सरकार को काम करने का अधिक समय मिल सकेगा। दोनों चुनाव एक साथ होने से भले ही पोलिंग बूथ अधिक बनाने पड़े, मशीनरी अधिक लगानी पड़े पर मतदाताओं और चुनाव कराने वाली मषीनरी के लिए भी सुविधाजनक होगा। एक बात यह भी कि असामाजिक तत्वों की गतिविधियां भी काफी हद तक कम हो सकेगी। इससे सरकारी संसाधनों की बचत, मानव संसाधन को बार बार नियोजित करने से होने वाले सरकारी कार्य में बाधा में बचत और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से बार बार चुनाव के स्थान पर एक साथ चुनाव होने से खर्चों में भी कमी आएगी। देखा जाए तो वन नेशन वन इलेक्शन लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

घर बैठे पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है, पोर्टल संपदा 2.0 में

संतोष मिश्रा, उप संचालक, जनसंपर्क विभाग

मध्यप्रदेश में विकसित की गई ई-पंजीयन एवं ई-मुद्रांक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का नवीन संस्करण 2.0 विकसित किया गया है। इससे नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली है।

संपदा 2.0 से कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे निर्धारित दस्तावेजों का पंजीयन कर सकता है। इसके लिये विभागीय पोर्टल https://sampada.mpigr.gàæv.in पर कोई भी व्यक्ति स्वयं पंजीकृत होकर अपने दस्तावेज का पंजीयन अथवा ई-स्टाम्प जारी कर सकता है। राज्य सरकार ने इसकी प्रक्रिया को बहुत सरलीकृत कर दिया है। अब दस्तावेजों के पंजीयन के लिये कार्यालय आने अथवा सेवा प्रदाता की सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं रही है।

संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की आधार बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्यापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वत: ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है। ई-हस्ताक्षर के साथ ऑटोमेटिकली पक्षकारों का फोटो अटैच होने संबंधित प्रबंध भी सॉफ्टवेयर में किया गया है।

संपदा 2.0 में चयनित दस्तावेजों के लिये फेसलेस पंजीयन का विकल्प भी उपलब्ध है। इसमें पंजीयन कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिकली प्रेजेन्टेशन एवं वर्चुअल फाइनल करने की सुविधा के साथ कार्यवाही के प्रमाणीकरण के लिये ओटीपी की सुविधा भी दी गई है। इसमें पंजीयन, रिटर्न, रिफ्यूजल की सुविधा भी इलेक्ट्रॉनिकली उपलब्ध है। यह पक्षकारों को वीडियो केवायसी से पंजीयन सुविधा भी देता है। इसमें दोनों मोड (असिस्टेड एवं नॉन असिस्टेड) उपलब्ध है। पंजीकृत दस्तावेजों का केवल इलेक्ट्रॉनिक संस्करण ही संधारित किया जायेगा।

संपदा 2.0 पोर्टल में पक्षकार स्वयं या सेवा प्रदाता के सहयोग से संपत्ति का पंजीयन कर सकता है। इसमें खरीदी या बेचे जाने वाली संपत्ति की पहचान संबंधित विभाग द्वारा प्रदत्त यूनिक आईडी तथा नक्शे पर चिन्हांकित संपत्ति से की जाती है। पक्षकारों की पहचान आधार बेस्ड ई-केवायसी से होती है। पोर्टल में चयनित दस्तावेज के आधार पर विलेख स्वत: तैयार होता है। विलेख के प्रारूप पर इलेक्ट्रॉनिकली सहमति के बाद शुल्क का ऑनलाइन भुगतान होता है। इसके बाद आधार बेस्ड ई-साईन या डिजिटल साइन के द्वारा ऑनलाइन ही दस्तावेजों का निष्पादन हो होता है।

संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीकरण के लिये 3 विकल्प (पारंपरिक रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर, फेसलेस पंजीयन और रिमोट पंजीयन) उपलब्ध कराये गये है। पंजीयन के लिये सुविधा अनुसार कार्यालय में आने के लिये स्लॉट आरक्षित कर सकते है। फेसलेस और रिमोट पंजीयन में एआई आधारित वीडियो केवायसी से प्रत्येक पक्षकार की पहचान एवं लाइवलीनेस चेक किया जा सकता है। इसके द्वारा समस्त स्व-घोषणाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग होती है। इसमें भी नॉन असिस्टेड विकल्प की स्थिति में ऑनलाइन प्रेजेन्टेशन होता है। पंजीयन के लिये स्लॉट बुकिंग के लिये असिस्टेड विकल्प की स्थिति में वर्चुअल इंटरेक्शन के लिये स्लॉट आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है।

लाभार्थियों ने साझा किये अपने अनुभव पंजीयन विभाग की संपदा 2.0 लागू होने के बाद विभिन्न जिलों के लाभार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए इसे सुविधाजनक बताया है। गुना के विष्णु प्रसाद बशैंया ने अनुभव साझा किया कि पूरा काम ऑनलाइन और पहले से अधिक व्यवस्थित रूप से हुआ है। गुना की अंकिता ने बताया कि संपदा 2.0 से कम समय में बेहतर तरीके से काम हो जाना संभव हो गया है। मुझे तुरंत दस्तावेज मेरे मोबाइल पर प्राप्त हो गये है। इसी तरह का अनुभव रतलाम के राकेश पाटीदार का भी रहा। उन्होंने दुकान की रजिस्ट्री संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर से कराई जिसमें गवाह की आवश्यकता भी नही पड़ी और कोई परेशानी नहीं आई। साथ ही रजिस्ट्री भी मोबाइल पर हाथों हाथ प्राप्त हो गई।

(ये लेखक के विचार हैं)

न्यायिक सुधारों के दीर्घकालीन प्रभावों के यक्ष प्रश्न

डॉ. सुधीर कुमार वत्स

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के लागू होने के बाद से देश भर में इन नए कानूनों को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ये नये कानून भारतीय कानूनी प्रणाली के आधुनिकीकरण और सरलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ब्रिटिश काल के पुराने कानूनों को बदलकर, ये नए कानून देश की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और न्याय व्यवस्था में तेजी लाने, लंबित मामलों को जल्दी निपटाने में मदद करेंगे। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में अपराधों की जांच और मुकदमों को तय समय सीमा में निपटाने की व्यवस्था है, जिससे न्याय में देरी नहीं होगी।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत प्रावधान किए गए हैं, जिससे सुरक्षा की भावना बढ़ी है और अपराधों पर नियंत्रण की उम्मीद है। इन कानूनों के माध्यम से सरकार कानून का शासन स्थापित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहरा रही है। कई लोग मानते हैं कि ये कानून देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे, क्योंकि ये निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करेंगे।

इन कानूनों में तकनीकी बदलाव किए गए हैं, जैसे इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को स्वीकार करना, जो जांच प्रक्रिया को अधिक कुशल और प्रभावी बनाता है। कुछ लोगों का मानना है कि इन नए कानूनों में कई जगह अस्पष्टताएं हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता भी चिंतित हैं कि इन कानूनों का इस्तेमाल मौलिक अधिकारों का हनन करने के लिए किया जा सकता है। कुछ विपक्षी दलों और कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को बनाने में पर्याप्त चर्चा और विचार-विमर्श नहीं किया गया है। कुछ का मानना है कि इन कानूनों के तहत सरकार को बहुत अधिक शक्तियां दे दी गई हैं, जिसका दुरुपयोग हो सकता है।

कई विपक्षी दल और नागरिक समाज संगठन इन कानूनों को लोकतंत्र के लिए चुनौती मानते हैं, यह चिंता जताते हुए कि ये कानून सरकार को विरोधियों को दबाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अतिक्रमण का एक उपकरण प्रदान कर सकते हैं। कानूनों में अस्पष्ट और व्यापक शब्दों के प्रयोग से इनके दुरुपयोग का डर है, जैसे कि 'देशद्रोह' के दायरे को लेकर उठे सवाल। विपक्ष का आरोप है कि इन कानूनों को संसद में बिना पर्याप्त चर्चा और बहस के जल्दबाजी में पारित किया गया। उनका कहना है कि ये कानून व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, विशेषकर गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित प्रावधानों को लेकर चिंता जताई गई है।

कुछ लोगों का मानना है कि ये कानून पुलिस को अधिक शक्तियां देंगे, जिससे नागरिकों का दमन बढ़ सकता है। विद्वानों के अनुसार, ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए चुनौती हो सकते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय और विपक्षी दलों का आरोप है कि ये कानून विशेष रूप से उनके लिए चिंताजनक स्थितियां उत्पन्न करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को लागू करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। लोग चिंतित हैं कि इन कानूनों का गलत इस्तेमाल हो सकता है और अधिकारों का हनन हो सकता है। कुछ लोग नए कानूनों का स्वागत कर रहे हैं, जबकि कुछ को संदेह है। कई का मानना है कि इन कानूनों के प्रभाव का सही आकलन करने में समय लगेगा। तर्क देते हैं कि ये कानून देश में कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे, अपराधों पर अंकुश लगाएंगे और न्यायपालिका को अधिक प्रभावी बनाएंगे। वकीलों का एक वर्ग इन कानूनों का विरोध कर रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करेंगे। नागरिक समाज के कई संगठन इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ हैं।

नए कानून में राजद्रोह के दायरे को लेकर कई सवाल उठे हैं। विपक्ष का तर्क है कि यह प्रावधान सरकार के आलोचकों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जमानत मिलने के मानदंडों को लेकर भी कई सवाल उठे हैं। पुलिसिया हिरासत के दौरान लोगों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। नए कानून में डिजिटल निगरानी के प्रावधानों को लेकर भी चिंताएं व्यक्त की गई हैं। कुछ का मानना है कि ये नए कानून काफी जटिल हैं और आम लोगों को इन्हें समझने में मुश्किल होगी। अदालतें इन कानूनों की व्याख्या कैसे करती हैं, और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इन कानूनों को किस तरह से लागू करती हैं, यह भी एक महत्वपूर्ण कारक होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत के वार्डों के आरक्षण 19 दिसंबर को

दुर्ग। नगरीय निकायों के आम निर्वाचन 2024 हेतु छत्तीसगढ़ नगर पालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण) नियम 1994 एवं छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956/नगर पालिका अधिनियम 1961 के प्रावधानानुसार नगर पालिक निगम/नगर पालिका परिषद्/नगर पंचायत के वार्डों के आरक्षण 19 दिसंबर 2024 दिन गुरूवार को दोपहर 04 बजे जिला कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में होना है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने परिपत्र जारी कर आयुक्त नगर पालिका निगम दुर्ग, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद कुम्हारी/अहिवारा/अमलेश्वर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत उतई/धमधा/पाटन को सूचना की एक-एक प्रति नगर पालिक निगम/नगर पालिका परिषद्/नगर पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर एक-एक प्रति प्रत्येक वार्डों के सहित दृश्य स्थान पर चस्पा कर प्रकाशित करने एवं प्रकाशन का प्रमाण-पत्र कार्यालय कलेक्टर को विशेष वाहक के माध्यम से भिजवाना सुनिश्चित करने कहा है। आरक्षण हेतु निर्धारित तिथि एवं समय के 01 घण्टे पूर्व अपने स्टॉफ के साथ अभिलेख सहित पूर्ण तैयारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने कहा गया है।

19 दिसंबर को होगा साक्षात्कार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जिला एवं जनपद पंचायतों में विभिन्न पदों पर संविदा भर्ती हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे से मिली जानकारी के अनुसार योजनान्तर्गत उपरोक्त संविदा पदों की पूर्ति हेतु उदय प्रसाद उदय शासकीय पालिटेक्निक कॉलेज दुर्ग में पदवार कौशल परीक्षा के बाद 17 दिसंबर 2024 को सभागार जिला पंचायत दुर्ग में साक्षात्कार आयोजित किया गया था तथा साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों की संख्या 1:15 निर्धारित थी। जिसे प्रशासनिक कारण एवं चयन समिति के निर्णय के आधार पर संशोधित करते हुए 19 दिसंबर 2024 को प्रात: 11 बजे आयोजित किया गया है। जिला पंचायत के सूचना पटल का एवं जिले की वेबसाइट https//durg.cg.gov.in तथा पर अवलोकन कर सकते है।

विधानसभा सत्र 16 से 20 दिसम्बर हेतु नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

दुर्ग । छत्तीसगढ़ विधानसभा का षष्ठम विधानसभा का चतुर्थ सत्र सोमवार दिनांक 16 दिसम्बर 2024 से प्रारंभ होकर शुक्रवार दिनांक 20 दिसम्बर 2024 तक निर्धारित है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार सत्र के दौरान विधानसभा प्रश्नों के उत्तर तैयार करने, ध्यानाकर्षण, शून्यकाल आदि के लिये जिले के अधिकारियों से सामंजस्य स्थापित कर त्वरित गति से जवाब भेजने के लिये अपर कलेक्टर अरविन्द कुमार एक्का को नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

तीन माह का वेतन दिलाने स्वास्थ्य मितान ने कलेक्टर से लगाई गुहार, जनदर्शन में प्राप्त हुए 125 आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कलेक्टोरेट में आयोजित सप्ताहिक जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। एडीएम श्री अरविंद एक्का भी जनदर्शन में मौजूद थे। जनदर्शन में आज 125 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्राम मातरोडिह निवासी ने मुआवजा दिलाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि खेत में पावरग्रीड कम्पनी द्वारा टावर लगाया जा रहा है, जिससे खेत का पूरा हिस्सा प्रभावित हो रहा है। इसी प्रकार भिलाई निवासी ने बताया कि ग्राम अटकारी में पुलिया सेतु का निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में संबंधित अधिकारी द्वारा कृषकधारी के भूमि का स्थल निरीक्षण किया गया है व पंचनामा भी बनाया गया है, किंतु आज दिनांक तक मुआवजा राशि प्रदान नहीं की गई है। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम दुर्ग व पाटन को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

कुरूद भिलाई निवासी कृषक ने नक्शा बटांकन में सुधार हेतु आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि खसरा नम्बर में त्रुटि होने के कारण त्रुटि सुधार हेतु प्रकरण दर्ज किया गया था। खसरा नम्बर में सुधार तो हो गया लेकिन नक्शा बटांकन में सुधार नही किया गया है। नक्शा बटांकन में सुधार नही होने के कारण सीमांकन नहीं हो पा रहा है।

समस्त स्वास्थ्य मितान ने तीन माह का वेतन भुगतान कराने आवेदन दिया। सभी शासकीय अस्पतालों एवं जिला अस्पतालों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य मितान अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मासिक वेतन का भुगतान फैमिली हेल्थ प्लान एवं इंसुरेंस कंपनी द्वारा प्रदान किया जाता है। स्वास्थ्य मितान का वेतन भुगतान विगत 3 माह से नियमित रूप से नही किया जा रहा है। वेतन भुगतान नहीं किए जाने के कारण आर्थिक व मानसिक कष्टों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित वेतन भुगतान के अभाव में परिवार का खर्च चलाने में भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही आयुष्मान कार्ड बनाने शिविरों का आयोजन किया जाता है, किंतु किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता एवं मोबाईल इंटरनेट प्रदान नही किया जाता है। इस पर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

निगम भिलाई के प्रत्येक जोन में अब हर सोमवार लगेगा राशन कार्ड वितरण शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभी जोन कार्यालय अंतर्गत 172 राशन दुकान (कापरेटिव) संचालित हो रहे है। जहां भिलाई क्षेत्र के नागरिक अपना राशन कार्ड ले जाकर राशन प्राप्त करते है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा सभी कोऑपरेटिव राशन दुकान संचलितों की मीटिंग ली गई है उनसे जानकारी प्राप्त किये, नवीन राशन कार्ड बन जाने के बाद वितरण क्यों नहीं हो रहा है।

तो उनके द्वारा बताया गया हितग्राही अपना राशन किसी अन्य दुकान से भी ले ले रहे हैं। वह अपने पुराने कोऑपरेटिव पर नहीं आ रहे हैं चर्चा के दौरान सहमति बनी कि अब प्रत्येक सोमवार को सभी जोन कार्यालय अंतर्गत पीडीएफ नवीन राशन कार्ड वितरण के लिए शिविर लगाया जा रहा है। नागरिक सुबह 11 बजे से साम 4 बजे तक शिविर स्थल पर राशन कार्ड राशन कार्ड प्राप्त कर सकते है। वहां पर कोऑपरेटिव दुकान संचालित करने वाले दुकानदार बैठेंगे साथ में निगम के भी कर्मचारी बैठेगे उनके द्वारा राशन कार्ड वितरित किया जाएगा।

आयुक्त ने कोऑपरेटिव संचालकों से यह भी अनुरोध किया कि नागरिकों का सीधे जुड़ाव कोऑपरेटिव संचालकों से रहता है। स्वच्छ भारत अभियान में लोगों को समझाएं कि घर से गीला कचरा एवं सूखा कचरा अलग.अलग डस्टबिन में स्वच्छता मित्रों को देवें। सभी अपने सभी शिविर स्थल पर जाकर अपना राशन कार्ड नवीनीकरण जल्द से जल्द करा लें। राशन कार्ड नवीनीकरण नहीं होने से नागरिको को राशन प्राप्त होने में परेशानी होगी। एक बार राशन कार्ड नवीनीकरण हो जाएगा तो किसी भी कोऑपरेटिव राशन दुकान से राशन ले सकते हैं। सभी जोन कार्यालय में फूड अधिकारी की नियुक्ति है।

जोन क्रमांक-01 नेहरू नगर एवं जोन क्रमांक-02 वैशाली नगर में चंद्रभान बघेल व कविता ठाकुर को दायित्व सौंपा गया है। वही जोन क्रमांक-03 मदर टेरेसा नगर एवं जोन क्रमांक-04 शिवाजी खुर्सीपार में आयुतोष चंद्राकर तथा जोन क्रमांक-05 में वसुधा गुप्ता की डयूटी लगाई गई है। नागरिक फूड अधिकारी से संपर्क कर भी जानकारी प्राप्त कर सकते है। अंत में सब लोग मिलकर के स्वच्छता बनाए रखने एवं लोगों को प्रेरित करने के लिए स्वच्छता शपथ लिए। बैठक के दौरान प्रोगामर दीप्ति साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, रीता चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे।

दुकान पर प्रचार सामग्री भी रखें, उन्हे प्रदान की गई।

कोऑपरेटिव संचालकों ने बताया कि नगर निगम भिलाई क्षेत्र लगभग 600 से अधिक राशन कार्डधारी अपना राशन कार्ड बनवा कर विदेश चले गए हैं। उन्हें भी राशन कार्ड नवीनीकरण करवाना है। जो नहीं करवा रहे हैं। राशन कार्डधारी 1.12.2024 से 28.02.2025 तक अपना राशन कार्ड नवीनीकरण करा सकते है। लगभग 40000 राशन कार्डधारियो का राशन कार्ड पुराना है। जो अभी तक अपना राशन कार्ड प्राप्त नहीं किए है। वे

सिंटरिंग प्लांट्स का परफॉमेंस इम्प्रूवमेंट वर्कशॉप आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के सेक्टर–7 स्थित बीएमडीसी रशियन कॉम्प्लेक्स में एलएंडडी विभाग के सहयोग से एसपी–2 और एसपी–3 द्वारा 27000 टन का निरंतर उत्पादन स्तर प्राप्त करने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटरिंग प्लांट्स का पीआईडब्लू (परफॉमेंस इम्प्रूवमेंट वर्कशॉप) आयोजित किया गया।

इस वर्कशॉप का उद्देश्य एसपी-2 और एसपी-3 द्वारा उत्पादन स्तर को लगातार बनाए रखना और आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर चर्चा करना था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी द्वारा की गई। उद्घाटन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (आयरन) तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (एसपी) अनूप कुमार दत्ता विशेष रूप से उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कुल 8 विभागों से 52 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इनमें एसपी-2 से 08, एसपी-3 से 17, ओएचपी से 13, इंस्ट्रूमेंटेशन से 04, माइन्स से 04, एलडीसीपी (आरएमपी-2 एवं आरएमपी-3) से 03, आरसीएल से 02 एवं टीएंडडी से 01 कर्मचारी उपस्थित थे।

एसपी-2 के विभागाध्यक्ष श्री जगेंद्र कुमार और एसपी-3 के विभागाध्यक्ष श्री एस वर्गीस ने सत्रों का संचालन करते हुए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की और समाधान के लिए सुझाव दिए। वर्कशॉप का उद्देश्य कनेक्टिविटी के बीच विभिन्न विषयों और अंतर-विभागीय समस्याओं का समाधान करते हुए विभाग के संचालन में सुधार के उपायों को साझा करना था। जिससे प्रदर्शन में निरंतर आगे बढते हुए उत्तोरोत्तर प्रगति की जा सके। इस कार्यक्रम से जुड़ें सभी सम्बंधित विभागों के बीच सहयोग और कार्यकुशलता में वृद्धि होगी, जो सिंटरिंग प्लांट्स के उत्पादन को बढ़ाने और स्थिरता बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगा।

ऑक्सीजन प्लांट-2 में मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ऑक्सीजन प्लांट-2 में आपदा प्रबंधन अभ्यास के लिए 16 दिसम्बर 2024 को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। विदित हो कि प्रत्येक विभाग में आकस्मिक आपदा से निपटने हेतु प्रोटोकाल बनाये गए हैं। वैधानिक नियमों के अनुसार आपदा प्रबंधन के लिए समय-समय इस प्रोटोकाल के जांच हेतु ऑक्सीजन प्लांट - 2 में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया है। इस अभ्यास के दौरान बीएसपी के सीआईएसएफ फायर ब्रिगेड, सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग, एमएमपी-1, सिविल डिफेन्स, मानव संसाधन, पर्यावरण प्रबंधन तथा ऑक्सीजन प्लांट-2 के अधिकारियों व कार्मिकों ने सक्रिय भागीदारी

दिखाई। ऑक्सीजन प्लांट-2 एक संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। ऑक्सीजन प्लांट-2 में 2000 टन क्षमता वाले दो लिक्विड ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक हैं। स्वा् टैंक-1 में तीन स्वा् वाष्पीकरण पंप हैं और स्वा् टैंक-2 में चार वाष्पीकरण पंप हैं। यदि इन टैंकों में किसी प्रकार का रिसाव होता है तो यह ओपी-2 में बड़ी आपदा का कारण बन सकता है। मॉक ड्रिल अभ्यास के माध्यम से आपदा के दौरान विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों की जाँच की जाती है। टैंक के वाष्पीकरण पंप में ब्रेकडाउन मेंटेनेंस का काम चल रहा था। मैकेनिकल मेंटेनेंस के 4 कर्मी और इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस के 3 कर्मियों का एक समूह स्वा् टैंक-1 में कार्यरत थे। जी शिफ्ट में करीब 3.30 बजे स्वा् पंप के ब्रेकडाउन मेंटेनेंस के दौरान लिक्विड ऑक्सीजन का अत्यधिक रिसाव हुआ। दो व्यक्ति स्वा् टैंक-1 क्षेत्र में फंस गए और अन्य बाहर आ गए। अनियंत्रित स्थिति को देखते हुए मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल कर्मियों ने बचाव के लिए आवाज लगाया। स्वा् टैंक ऑपरेटर ने ओपी-2 के पाली प्रभारी को सूचित किया। पाली प्रभारी, स्थिति का विश्लेषण करने तुरंत पहुंचे और कार्यस्थल पर मौजूद इलेक्ट्रिकलकर्मी को अलार्म बजाने का संकेत दिया गया। पाली प्रभारी व सहायक प्रबंधक गौरव चैधरी ने प्लांट कंट्रोल, फायर ब्रिगेड, एमएमपी-1, सीआईएसएफ सेफ्टी कंट्रोल, सिविल डिफेंस को सूचित किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 2 कर्मवीर अतिविशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के लिए चयनित, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे पुरस्कृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय रेल द्वारा 101 कर्मचारियों और अधिकारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। चयनित कर्मचारी एवं अधिकारियों को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा 21 दिसंबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। इनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दो कर्मचारी भी शामिल है।

इस पुरस्कार के लिए चयनित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलकर्मियों में राजेश कुमार तिवारी, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (ट्रैक मशीन) हरीश कुमार बंजारे, सीनियर सेक्शन

इंजीनियर (टीआरडी) शामिल हैं।

चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों में 15 रेल कर्मियों को नवाचार, रेल की आय में वृद्धि हेतु शानदार प्रयास, उत्पादकता में वृद्धि के लिए समर्पण और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए एवं स्वदेशी तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। 16 कर्मचारी एवं अधिकारियों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना दूसरों की जान एवं रेलवे की संपत्ति की रक्षा हेतु विशिष्ट कदम उठाने के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार दिया जा रहा है। 17 अधिकारियों और कर्मचारियों को रेल की आय बढ़ाने एवं टिकटलेस ट्रैवल एवं राजस्व की चोरी रोकने के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। रेल परिचालन, सुरक्षा और संरक्षा तथा रेलवे की परिसंपत्तियों के बेहतर संरक्षण हेतु अद्वितीय प्रयास करने हेतु 22 कर्मचारियों और अधिकारियों को पुरस्कृत किया जा रहा है जबकि 16 कर्मचारी एवं अधिकारियों को विभिन्न परियोजनाएं रिकॉर्ड समय में पूरा करने के लिए चयनित किया गया है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय रेल का गौरव बढ़ाने वाले दो खिलाड़ियों को भी अति विशिष्ट रेल सभा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। मेडिकल, कार्मिक, ट्रैक मेंटेनेंस आदि से जुड़े 13 अधिकारियों और कर्मचारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार हेतु चयनित कर्मचारी एवं अधिकारियों में सात सेंट्रल रेलवे के, तीन ईस्ट कोस्ट रेलवे के, पांच पूर्व मध्य रेल के, आठ पूर्व रेल के, पश्चिम मध्य रेल के दो, पश्चिम रेल के आठ कर्मचारियों और अधिकारी शामिल हैं।

संयुक्त, डिप्टी कलेक्टरों के मध्य कार्य विभाजन में किया गया आंशिक संशोधन

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार संयुक्त/डिप्टी कलेक्टरों के मध्य कार्यविभाजन में आंशिक संशोधन किया गया है, जिसमें डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा को पूर्व में सौंपे गए कार्यों के अतिरिक्त नजूल/नजूल जांच शाखा, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गये अन्य कार्यों के दायित्व सौंपे गए हैं। डिप्टी कलेक्टर उत्तम कुमार ध्रुव को पूर्व में सौंपे गये कार्यों के अतिरिक्त आवास आबटन शाखा, मुख्यमंत्री मंत्री सहायता/संजीवनी कोष शाखा, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गये अन्य कार्यों के दायित्व सौंपे गए हैं।

खास खबर...

पुरंदर ने शाह को भेंट की खूबसूरत कोलाज, देखकर खुश हुए

रायपुर। विधायक पुरंदर मिश्रा ने कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक खूबसूरत कोलाज भेंट किया जिसे देखकर शाह अपनी मुस्कुराहट रोक नहीं पाये। दरअसल कोलाज था ही ऐसा कि वहां मौजूद लोगों को भी सुखद अनुभूति दे गया। केंद्रीय मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दौरे पर थे। माना विमानतल जब पुरंदर मिश्रा के स्वागत करने की बारी आई तो उन्होंने अमित शाह को खूबसूरत प्रतिकृति स्कल्पचर भेंट किया। इस देखकर शाह प्रसन्नचित हो गए। दरअसल पुरंदर मिश्रा ने यह चित्र विशेष तौर पर शाह के लिए बनवाया था। चित्र में अमित शाह और सरदार पटेल को एक साथ दर्शाया गया है। मिश्रा ने लिखा, सशक्त राष्ट्र के शिल्पकार. सरदार पटेल अपने दौर के लौह पुरुष थे जबकि शाह आज के दौर के लोहपुरुष हैं दोनों नेता गुजरात से आते हैं। अमित शाह की रणनीति का कमाल है कि आज बस्तर से नक्सलवाद अंतिम सांसें ले रहा है। सरदार पटेल ने भी कश्मीर को बचाने के लिए बेहद सफल प्रयास लिए थे।

ग्राम भरदा (कोनारी) में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता 25 को

भिलाई-दुर्ग। दुर्ग जिले के ग्राम भरदा (कोनारी) भरदा में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 25 दिसंबर को किया जा रहा है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 11001 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 7001 रुपए, तृतीय पुरस्कार 5001 रुपए व चतुर्थ पुरस्कार 3001 रुपए रखा गया है। साथ ही चारों विजेता टीमों को व्यक्तिगत पुरस्कार व विनर ट्राफी भी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा बेस्ट ऑल राउंडर, बेस्ट रेडर, बेस्ट कैचर व बेस्ट ब्लॉकर को आकर्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 300 रुपए प्रवेश शुल्क रखा गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 7987365797 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्व. कुलदीप निगम की पुण्य तिथि पर वृद्धाश्रम, बालगृह में फल वितरण

रायपुर। प्रेस क्लब रायपुर के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के संस्थापक सदस्य एवं प्रथम महासचिव, माना कैम्प में छत्तीसगढ़ के प्रथम वृद्धाश्रम की स्थापना करने वाले पत्रकार एवं समाजसेवी

स्व. कुलदीप निगम की 22 वीं पुण्य तिथि 16 दिसम्बर सोमवार को उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए माना कैम्प स्थित कुलदीप निगम वृद्धाश्रम, छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित मानसिक दिव्यांग बाल गृह (बालक) माना कैम्प, बाल जीवन ज्योति बालिका गृह पुरानी बस्ती एवं स्व. निगम के पैतृक गृह ग्राम नर्रा के शासकीय कुलदीप निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उनकी प्रतिमा एवं फोटो में पुष्पहार पहनाकर श्रदांजलि दी गई। साथ ही बुजुर्गों एवं बच्चों को फल वितरण किया गया।

राज्य वीरता पुरस्कार के लिए कर सकेंगे आवेदन 2 जनवरी तक

रायपुर। प्रदेश के बच्चों को किसी घटना विशेष में उनके द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं बुद्धिमत्ता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाना है। इसके तहत 5 बालक एवं बालिकाओं को 25 हजार रुपए की राशि तथा प्रशस्ति पत्र पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा। आवेदन 02 जनवरी 2025 तक पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर जीई रोड में महिला एवं बाल विकास कार्यालय में जमा की जा सकती है।

चिमनानी व ठाकुर ने विजेता टीम को दी ट्रॉफी व नकद पुरस्कार

मैन ऑफ द मैच, मैंन ऑफ द सीरीज सहित एक दर्जन से ज्यादा पुरस्कार बाटे गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आहूत दो दिवसीय मीडिया क्रिकेट लीग का रविवार को समापन हुआ जिसमें विस्तार न्यूज ने विजेता के तौर पर कप पर कब्जा किया। विजेता टीम को 51 हजार रुपए की नगद राशि प्रदान की गई। आईबीसी की टीम उपविजेता (रनर-अप) रही 31 हजार रुपए की नगद राशि से पुरस्कृत किया गया।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी के संयोजन और रायपुर प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी के आयोजित द्रोणाचार्य बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड (न्यू राजेंद्र नगर) पर इस मीडिया क्रिकेट लीग में खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए

व्यक्तिगत पुरस्कार भी प्रदान किए गए जिनमें विस्तार न्यूज के पी. सूरज, सुपर-11 के संतोष साहू, एशियन किंग्स के हृतिक, हंका प्रेस के मनीष कुमार, संयुक्त-11 के दिनेश राव, संयुक्त-2 के अभिषेक तिवारी, आईबीसी-24 के विजय गुर्जर, विस्तार न्यूज के सौरव तिवारी, संयुक्त-11 के जगन्नाथ राव, विस्तार न्यूज के डोनेश्वर सारंग, नेशनल जर्नस के टिकेश्वर पटेल, आईबीसी-24 के अविनाश कौर, और विस्तार न्यूज के अभिषेक तिवारी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। इसी प्रकार बेस्ट बॉलर आईबीसी-24 के विजय गुर्जर, बेस्ट बैट्समैन विस्तार न्यूज के अभिषेक तिवारी, मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर एशियन किंग्स के हृतिक और बेस्ट फील्डर संयुक्त11 के पार्थ पुरस्कृत हुए।

मीडिया क्रिकेट लीग का उद्घाटन शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधासनभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के हाथों हुआ था। इस क्रिकेट स्पर्धा का उद्घाटन मैच सम्पादक-11 और भाजपा नेताओं की टीम के बीच हुआ था। बॉक्स क्रिकेट के तौर पर आयोजित इस लीग मैच में रायपुर के मीडिया जगत की 16 टीमों में मीडिया जगत के 160 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस क्रिकेट लीग के आयोजन में प्रमुख सहयोगी के रूप में अष्टविनायक रियलिटी के संतोष लोहाना और महेश मिरधानी के अतिरिक्त अनेक सहयोगी संस्थाओं विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, बढ़ते कदम, ग्रीन आर्मी, भारतीय सिंधु सभा, पू. छ.ग. सिंधी पंचायत युवा विंग, पू. सिंधी पंचायत महावीर नगर, पू. कंधकोट पंचायत का सहयोग मिला।

जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर कार्यशाला में शामिल हुई कौशल्या साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनजातीय समाज प्रकृति के संरक्षण का कार्य सदियों से कर रहे हैं। जनजातीय समाज को अपनी प्रकृति से अथाह प्रेम है और उसे बचाने के लिए वह किसी भी प्रकार का संघर्ष कर सकते हैं यह वक्तव्य कौशल्या देवी साय ने राजधानी रायपुर स्थित राधाबाई कन्या महाविद्यालय में आयोजित जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं के फलस्वरूप जनजातियों के जीवन स्तर में सुधार आया है।जनजातीय संस्कृति में गहरी आध्यात्मिकता छिपी है।

प्रकृति को सहेजकर, प्रकृति के अनुकूल जीवन जीना। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष में किसी तरह का भेदभाव नहीं। सब बराबर हैं और प्रकृति का उपहार सबके लिए है। ये बातें हमें इस समाज से सीखने की आवश्यकता है। जनजातीय समाज में दहेज जैसी सामाजिक बुराई का अस्तित्व नहीं है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रामनाथ कश्यप जी ने कहा कि अंग्रेजों ने भारतीय और जनजाति संस्कृति को कुचलने का काम किया। जनजातियों की प्राचीन समृद्ध वैदिक संस्कृति रही है। वर्तमान भारत के निर्माण में भारतीय जनजातीय समाज ने अपना अभूतपूर्व योगदान दिया है। अतीत से लेकर वर्तमान तक इन जनजातीय समाजों का गौरवशाली इतिहास है। इस समाज ने अपनी कर्मठता, सहजता,सरलता और सत्य निष्ठा के लिए विश्व में ख्याति अर्जित की है। प्रकृति के साथ जीवन जीते इस समाज में औषधीय पहचान की अद्भुत क्षमता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ प्रीति मिश्रा ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जनजातीय समाज में मातृ सत्तात्मक व्यवस्था है,जहां महिलाओं को विशेष महत्व दिया जाता है। आदिवासी समाज की महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख स्थान प्राप्त किए हैं।

गौरतलब है कि राज्य में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव,वीरता तथा आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदिवासियों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए स्वतंत्रता सेनानी, धार्मिक नेता और लोक नायक बिरसा मुंडा की याद में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। आज उसी कड़ी में राधा बाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष एवं छात्राओं द्वारा राजकीय गीत के साथ किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा जशपुरिया मांदर गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में आर आर आर फिल्म का कोमड़म भीमडू गीत भी प्रदर्शित किया गया। जनजातीय संस्कृति तथा कला पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

मोर रायपुर, विकसित रायपुर कॉफी टेबल बुक का हुआ विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम रायपुर द्वारा मोर रायपुर, विकसित रायपुर नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। इस पुस्तक में रायपुर नगर निगम द्वारा पिछले एक वर्ष में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों और विकासात्मक पहलों का संकलन किया गया है, जो शहर को एक स्मार्ट, स्वच्छ और विकसित नगर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

इस अवसर पर नगरीय प्रशासन संचालक कुंदन कुमार ने निगम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ये पहलें रायपुर को राज्य की राजधानी के रूप में एक नई दिशा देने के साथ-साथ प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने इसे कैपिटलिस्टिक विकास की दिशा में एक नया मील का पत्थर बताया।

इस कार्यक्रम में विभाग के विशिष्ट सचिव रामजीयस एक्का, मुख्य कार्यपालन अधिकारी शशांक पांडे, अतिरिक्त निदेशक पुलक भट्टाचार्य, स्मार्ट सिटी के मुख्य परिचालन अधिकारी उज्जवल पोदवाल, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यवस्था अधिकारी विपुल गुप्ता, निजी सहायक गगन वासन और निगम के सहायक अभियंता सोहन गुप्ता भी उपस्थित थे।

सरदारनी सतवंत कौर चावला का निधन मेडिकल कालेज को किया है देहदान

रायपुर। वल्लभनगर रिंग रोड निवासी सरदारनी सतवंत कौर चावला (उम्र 80 वर्ष) का 16 दिसंबर सोमवार को निधन हो गया। वे स्वर्गीय हरबंश सिंह चावला की धर्मपत्नी एवं त्रिलोचन सिंह चावला व वरिष्ठ भाजपा नेता सरदार मनमोहन सिंह चावला की माता जी थीं। उन्होने अपने जीवित अवस्था में ही देहदान की घोषणा कर दी थी इसलिए निवास स्थान वल्लभनगर रिंग रोड से मंगलवार 17 दिसंबर को दोपहर 3 बजे पार्थिव शरीर को मेडिकल कालेज ले जाया गया।

बस्तर की बेटी ने गणतंत्र दिवस परेड में जगह बनाकर जीईसी रायपुर का नाम रोशन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय आभियांत्रिकी महाविद्यालय (जीईसी) रायपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की स्वयंसेविका सीमा ने गणतंत्र दिवस परेड 2025 में चयनित होकर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। सीमा का यह चयन न केवल उनके अथक परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है, बल्कि बस्तर जैसे दूरस्थ क्षेत्र की बालिकाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी है। सीमा जो कि तृतीया वर्ष की इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन विभाग की छात्रा है, ने शिक्षा और अवसरों की कमी जैसे चुनौतियों का सामना करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है, जो उनके दृढ़ संकल्प और प्रतिभा को दर्शाता है। गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होकर वह नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर देश की शान का हिस्सा बनेंगी।

संस्था प्रमुख एम आर खान (प्राचार्य) ने सीमा की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, सीमा ने जीईसी रायपुर परिवार का नाम रोशन किया है। उसकी यह सफलता हमारे सभी छात्रों के लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम अधिकारी प्रशांत साहू ने कहा, सीमा एनएसएस में सक्रिय रूप से भाग लेती रही है और समाज सेवा के

प्रति उसका समर्पण काबिले तारीफ है। यह उपलब्धि उसके लगन और मेहनत का फल है।

कार्यक्रम अधिकारी (गर्ल्स यूनिट) डॉ. शशिबाला किंडो ने सीमा के बारे में कहा, सीमा एक मेधावी और अनुशासित छात्रा है। वह हमेशा नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती है और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करती है। हम सीमा को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

निगम एमआईसी की बैठक में 11 एजेण्डों पर एजेण्डावार चर्चा कर आवश्यक निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता एमआईसी सदस्य ज्ञानेश शर्मा, श्रीकुमार मेनन, रितेश त्रिपाठी, सुन्दरलाल जोगी, समीर अख्तर, सहदेव व्यवहार, आकाश तिवारी, जितेन्द्र अग्रवाल, सुरेश चन्नावार, श्रीमती द्रौपती हेमंत पटेल, अपर आयुक्त सर्वश्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, यु.एस. अग्रवाल, निगम सचिव एवं अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय,

श्रीमती कृष्णा खटीक, सभी उपायुक्तगणों, जोन कमिश्नरों, सभी विभागों के प्रभारी अधिकारियों की उपस्थिति में हुई। एमआईसी की बैठक में नियमानुसार प्रक्रिया के तहत निर्धारित 11 एजेण्डों पर एजेण्डावार चर्चा एवं विचार विमर्श कर आवश्यक निर्देश संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को दिये गये।

जिला प्रशासन की टीम ने राइस मिलों का किया आकस्मिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला प्रशासन की टीम ने जिले के विभिन्न राइस मिलों की जांच की। समय पर धान उठाव समेत कई बिंदुओं पर जांच की गई। जिला प्रशासन की टीम ने महामाया राइस मिल, लड्डू गोपाल राइस मिल, गोयल एनर्जी राइस मिल, मां संतोषी राइस मिल एवं रानू गांधी राइस मिल की जांच की। इस दौरान महामाया राइस मिल, मां संतोषी राइस मिल और रानू गांधी राइस मिल में

अनियमित्ता पाए जाने पर सीलबंद की कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग, खाद्य विभाग एवं पुलिस विभाग की टीम भी मौजूद रहीं।

उल्लेखनीय है कि राइस मिलों की जांच निरंतर जारी रहेगी और धान उठाव भी जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए।

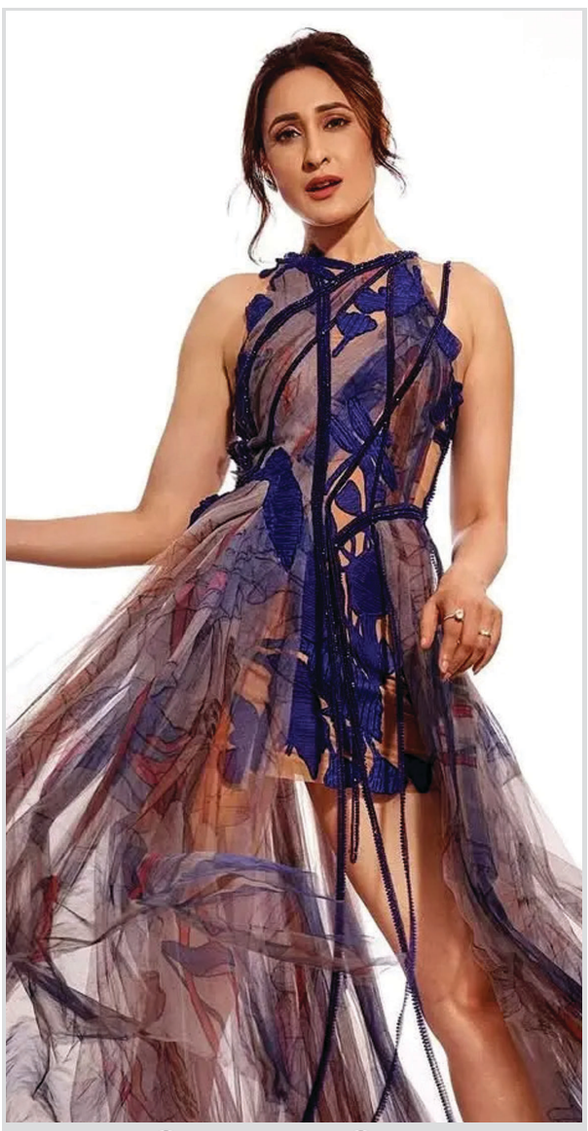

स्टाइलिश आउटफिट पहन एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने कैमरे के सामने दिए सिजलिंग पोज

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने इंटरनेट का बढ़ाया तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका किलर अवतार इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने परफेक्ट फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।

वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने ब्लू कलर की बेहद ही स्टाइलिश फ्रिल्स लुक में ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो अपने परफेक्ट बॉडी कर्व्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

बालों का स्टाइलिश बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो उनकी हर लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

प्रज्ञा जैसवाल की इन फोटोज को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 48 हजार से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं। वहीं, कुछ यूजर्स ने सो हॉट, यू लुक सो ब्यूटिफुल, हॉट एंड गॉर्जियस जैसे कॉमेंट्स किए हैं।

बालों के लिए फायदेमंद है नारियल तेल, क्या आप जानते हैं

हफ्ते में कितने दिन करना चाहिए इस्तेमाल?

जैसे-जैसे सर्दियों का मौसम शुरू होता है, वैसे-वैसे ड्राई स्किन से निपटने की चुनौती भी बढ़ने लगती है। तापमान और आर्द्रता के लेवल में गिरावट के कारण अक्सर त्वचा रूखी, परतदार हो जाती है। इस मौसम में बालों का झड़ना भी काफी कॉमन होता है। लेकिन सिर की त्वचा का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर बालों की जड़ें सही हों तो, बालों के झड़ने की समस्या बहुत कम होती है। ऐसे में नारियल का तेल बालों की समस्याओं का समाधान हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नारियल का तेल बालों को घना, मजबूत और स्कैल्प पर नमी बनाए रखने में मदद करता है। इस खबर में जानिए कि सर्दियों में बालों में नारियल तेल लगाने के क्या-क्या फायदे होते हैं।

बालों में नारियल तेल लगाने के फायदे

बालों के लिए हीट प्रोटेक्टेंट के रूप में कार्य करता है: नारियल का तेल कई विटामिन, एंटी-ऑक्सीडेंट और आवश्यक फैटी एसिड से भरपूर होता है। जिससे बालों पर अच्छा असर पड़ता है। इसके पोषण गुण बालों को स्वस्थ और पोषित रखते हैं। नारियल तेल से मालिश करने से बालों को प्रदूषण और हिट से बचाया जा सकता है।

बालों को नमीयुक्त रखता है: नमी की कमी के कारण बाल ज्यादा पतले दिखते हैं, इसलिए नारियल का तेल बालों के विकास में मदद करता है। यह आपके बालों को गहराई से मॉइस्चराइज करता है, जिससे वे पहले से अधिक मुलायम और घने दिखते हैं।

बालों को टूटने से बचाता है: स्टाइल और फैशन के चलते बालों में केमिकल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है, परिणामस्वरूप बालों की गुणवत्ता खराब हो जाती है। इसलिए बालों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नारियल तेल का सही तरीके से इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। इसके लिए स्कैल्प पर हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज इस तरह से जरूरी है कि तेल बालों की जड़ों तक पहुंचे, इससे बालों के झड़ने की समस्या भी दूर हो जाएगी और बाल कम टूटेंगे।

रूसी को रोकने में मदद करता है: नारियल का तेल एंटी-फंगल और एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होता है। जिससे डैंड्रफ की समस्या भी दूर हो जाती है। नियमित रूप से तेल लगाने से सिर की त्वचा रूखी नहीं होती है। स्कैल्प के साथ-साथ बाल भी खूबसूरत होते हैं।

नोट: नारियल का तेल बालों के लिए बेहद फायदेमंद होता है विशेषज्ञों के मुताबिक, हफ्ते में दो से तीन दिन इसका इस्तेमाल करने से कई फायदे मिलते हैं। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, नारियल का तेल हेयर कॉर्टेक्स द्वारा क्षतिग्रस्त बालों की रक्षा करता है।

राज कपूर की 100वीं जयंती पर साड़ी में इतराईं आलिया भट्ट

कहा- 'मुड़ मुड़ के ना देख'

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें साझा करते हुए फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है। आलिया ने सफेद फूलों वाली खूबसूरत साड़ी पहने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। यह पोस्ट उन्होंने दिवंगत अभिनेता और फिल्मकार राज कपूर के 100 साल के जश्न को समर्पित किया है।

आलिया ने तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, मुड़ मुड़ के ना देख। उनके इस ग्लैमरस लुक पर बॉलीवुड के कई सितारों ने तारीफों की झड़ी लगा दी है। भूमि पेडनेकर ने इसे स्टनिंग कहा, जबकि रिया कपूर ने लवली कहकर प्रतिक्रिया दी। यह खास पोस्ट राज कपूर के सिनेमा जगत में 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया है। आलिया ने इस तस्वीर के जरिए अपनी श्रद्धांजलि दी है, जो उनके फैंस और इंडस्ट्री के लिए एक खास संदेश है। कपूर फैमिली इस खास मौके को फिल्म फेस्टिवल की तरह सेलिब्रेट कर रहा है। फैंस ने आलिया की इन तस्वीरों पर जमकर प्यार बरसाया है। राजकुमार राव और अन्य सेलेब्रिटीज ने भी पोस्ट को लाइक किया है। आलिया का यह अंदाज न केवल राज कपूर को श्रद्धांजलि है बल्कि उनकी क्लासिक और स्टाइलिश साड़ी लुक को भी दर्शाता है।

रेड-2 की रिलीज तारीख फिर बदली, अजय ने बताया पर्दे पर कब आएगी यह फिल्म

अजय देवगन के पास इस समय सीक्वल फिल्मों की भरमार है। ऐसे में उनकी फिल्म रेड के सीक्वल का फैंस पलकें बिछाकर इंतजार कर रहे हैं। पहले रेड 2 इसी साल यानी 2024 में ही रिलीज होने वाली थी। हालांकि मेकर्स ने कई कारणों से फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी। लेकिन अब अजय देवगन ने खुद अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म रेड 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है।

अजय देवगन ने रेड 2 का एक पोस्टर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा है- आईआरएस अमय पटनायक का अगला मिशन मई 2025 से शुरू! रेड 2, 1 मई 2025 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

रेड 2 को राज कुमार गुप्ता ने पनोरमा स्टूडियो के बैनर तले डायरेक्ट किया है। फिल्म के भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने प्रोड्यूस किया है। अजय देवगन एक बार फिर आईआरएस अमय पटनायक के किरदार में लौट रहे हैं। वाणी कपूर और रितेश देशमुख भी फिल्म में अहम भूमिका अदा करते दिखाई देने वाले हैं।

अजय देवगन आखिरी बार अपनी हालिया रिलीज फिल्म सिंघम अगेन में नजर आए थे। ये पिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। अपने भांजे अमन देवगन की डेब्यू फिल्म आजाद में दिखाई देंगे। ये फिल्म 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कंगना रनौत की इमरजेंसी से टकराएगी। इसके अलावा अजय देवगन के पास पाइपलाइन में गोलमाल 5, शैतान 2, दे दे प्यार दे 2 और सन ऑफ द सरदार 2 जैसी फिल्में पाइपलाइन में हैं।

अक्षय कुमार ने लॉन्च किया मोहनलाल की बारोज का ट्रेलर खिलाड़ी कुमार ने की दृश्यम एक्टर की तारीफ

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने मोहनलाल की अपकमिंग फैंटेसी ड्रामा बारोज: गार्डियन ऑफ ट्रेजर का हिंदी ट्रेलर लॉन्च किया। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय ने बताया कि उन्होंने मोहनलाल की ज्यादातर फिल्में देखी हैं। जबकि मोहनलाल ने इवेंट में शामिल होने के लिए अक्षय को धन्यवाद दिया। वहीं अक्षय ने भी मोहनलाल की तारीफों के पुल बांधे। इस इवेंट में अक्षय ने मलयालम सुपरस्टार की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, हर किसी की तरह मैं भी मोहन सर का फैन हूं और मैंने उनकी कई फिल्में देखी हैं। मैंने वह फिल्म भी देखी जिसे मेरे सबसे अच्छे दोस्त प्रियदर्शन ने निर्देशित किया था। दृश्यम एक्टर मोहनलाल ने अपने बिजी शेड्यूल से टाइम निकालने और बारोज का हिंदी ट्रेलर लॉन्च करने के लिए अक्षय को धन्यवाद दिया।

बारोज में मोहनलाल एक फ्रेंडली भूत के रोल में हैं इस फिल्म से वे निर्देशन में भी कदम रखने जा रहे हैं। ट्रेलर काफी खूबसूरत है यह डिज्नी वर्ल्ड की याद दिलाता है। कहानी एक ऐसे खजाने की है जो एक महल में थिपा है और मोहनलाल इसे बचाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस खजाने को एक लड़की ही निकाल सकती है और मोहनलाल (भूत) को सिर्फ यह लड़की ही देख सकती है। ट्रेलर काफी शानदार है और इसे देखने से पता चलता है कि फिल्म जादू, ड्रामा, इमोशन और रहस्य है - वह सब कुछ जो एक फैमिली फिल्म में होना चाहिए।

बारोज: गार्जियन ऑफ ट्रेजर को आशीर्वाद सिनेमा के तहत एंटनी पेरुंबवूर ने बनाया है। जबकि सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवन ने की है। फिल्म का संगीत लिडियन नादस्वरम ने तैयार किया है, और यह केरल में क्रिसमस पर 25 दिसंबर को बड़े पैमाने पर रिलीज होने वाली है।

सर्दियों में त्वचा पर होने वाली खुजली को शांत कर सकते हैं ये घरेलू नुस्खे

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवा चलती है, जो हमारी त्वचा को रूखा और शुष्क बना देती है। इसके कारण त्वचा पर खुजली होने लगती है और त्वचा छिलने भी लगती है।इस समस्या से निपटने के लिए त्वचा को महज मॉइस्चराइज करना काफी नहीं होता है। सर्दी के दौरान त्वचा की देखभाल करते हुए खुजली को मिटाने के लिए आपको ये 5 घरेलू नुस्खे अपनाने चाहिए। इनके जरिए आपकी त्वचा अंदरूनी तौर पर मॉइस्चराइज भी हो जाएगी।

ओट्स वाले पानी से नहाएं

आप त्वचा पर होने वाली खुजली को शांत करने के लिए ओट्स वाले पानी से नहा सकते हैं। इस खाद्य पदार्थ में प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं, जो त्वचा की समस्याओं को ठीक कर सकते हैं।पानी को गर्म करने के बाद उसमें ओट्स डालें और कुछ देर उबलने दें। जब पानी गुनगुना हो जाए, तो उससे नहा लें।ओट्स के एंटी-ऑक्सीडेंट गुण त्वचा पर एक सुरक्षात्मक परत बना देते हैं, जिसके कारण त्वचा नमी युक्त बन जाती है।

नारियल तेल लगाएं

कई लोग सर्दियों के मौसम में त्वचा को मॉइस्चराइज करने के लिए क्रीम की जगह नारियल तेल का इस्तेमाल करते हैं। इस पदार्थ के जरिए आप त्वचा पर होने वाली खुजली को भी शांत कर सकते हैं।यह एक प्राकृतिक इमोलिएंट होता है, जो शुष्क त्वचा को हाइड्रेशन प्रदान करता है। साथ ही, इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं।नहाने के तुरंत बाद नारियल तेल इस्तेमाल करें या उससे त्वचा की मालिश करें।

एलोवेरा जेल भी आएगा काम

एलोवेरा के पौधे से निकलने वाले ताजे जेल को लोग सदियों से त्वचा की देखभाल के लिए उपयोग करते हैं। इसे लगाने से त्वचा की सूजन दूर करने, शुष्कता मिटाने और खुजली को कम करने में मदद मिल सकती है।एलोवेरा जेल को अपनी त्वचा पर लगाएं और उसे अच्छी तरह से अवशोषित होने दें। आप बाजार में मिलने वाले एलोवेरा जेल से बने उत्पाद भी इस्तेमाल कर सकते हैं।सर्दियों में संवेदनशील त्वचा की देखभाल करने के तरीके।

नहाने के लिए गुनगुने पानी का करें इस्तेमाल

सर्दियों में लोग गर्म पानी से नहाते हैं, जो त्वचा को शुष्क बनाने में योगदान देता है। ऐसे में त्वचा के प्राकृतिक तेलों को बनाए रखने के लिए आपको गर्म पानी के बजाय गुनगुने पानी से नहाना चाहिए।इसके अलावा, नहाने के समय को भी कम करें और उसके लिए केवल 10 से 15 मिनट ही लें। इससे आपकी त्वचा पानी के सुखाने वाले प्रभाव के संपर्क में कम समय तक आएगी, जिससे नमी बनाए रखने में मदद मिलेगी।

साबुन की जगह उपयोग करें सौम्य क्लींजर

सर्दियों के दौरान अधिक खुशबु वाले साबुन से नहाना त्वचा की सुरक्षात्मक परत को प्रभावित कर सकता है और खुजली को बढ़ा सकता है।इसीलिए आपको इस मौसम में साबुन की जगह पर किसी सौम्य क्लींजर का इस्तेमाल करना चाहिए। इन क्लींजर का पीएच स्तर हल्का होता है, जो त्वचा के प्राकृतिक तेलों को बनाए रखने में मदद करता है।ऐसा क्लींजर उपयोग करें, जिसमें कोई रसायन न मौजूद हों और जो त्वचा को नमी प्रदान कर सके।

करीना कपूर के बाद स्पिरिट में हुई इस खूबसूरत हसीना की एंट्री, प्रभास की फिल्म में लगाएंगी ग्लैमर का तड़का

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बहुत कम निर्देशक हैं, जिनकी फैन-फॉलोइंग बॉलीवुड में भी जबरदस्त है। इस लिस्ट में संदीप रेड्डी वांगा भी शामिल हैं। कबीर सिंह और एनिमल जैसी ब्लॉक बस्टर फिल्में देने वाले संदीप अब साउथ के सुपरस्टार प्रभास के साथ आगामी फिल्म स्पिरिट ला रहे हैं, जिसमें बॉलीवुड सितारों का भी दबदबा होगा। संदीप रेड्डी वांगा ने साल 2021 में ही स्पिरिट का एलान कर दिया था। प्रभास स्टारर फिल्म एक कॉप एक्शन थ्रिलर होने वाली है। इस फिल्म में हीरो का नाम तो पहले ही रिवील हो गया है, लेकिन अब प्रभास की हीरोइन के चेहरे से भी पर्दा उठ गया है।

पिंकविला की संदीप रेड्डी वांगा ने स्पिरिट के लिए हीरोइन को चुन लिया है। कॉप थ्रिलर में जो हीरोइन प्रभास के साथ नैन लड़ाती हुई दिखाई देंगी, वो 32 साल की मृणाल ठाकुर हैं। कहा जा रहा है कि मृणाल लीड रोल में हैं। उनके अलावा फिल्म में रियल लाइफ कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान भी नजर आएंगे। ऐसा पहली बार होगा, जब करीना और सैफ पहली बार साथ में कोई साउथ मूवी कर रहे हैं। साथ ही दोनों पहली बार निगेटिव रोल प्ले करेंगे। संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म में उनका निगेटिव रोल बहुत ही दमदार होने वाला है। संदीप इस फिल्म अन्य कहानियों से अलग सबसे हटकर बनाएंगे। फिलहाल, प्रभास को छोड़कर मेकर्स ने अभी तक बाकी स्टार कास्ट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है।

संदीप रेड्डी वांगा स्पिरिट की तैयारियां जोर-शोर से कर रहे हैं। इसी साल उन्होंने खुलासा किया था कि वह इस फिल्म पर 300 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। ऐसे में वह इसे दमदार बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। फिल्म में वह एक पुलिस की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इस फिल्म की रिलीज डेट का अभी एलान नहीं किया गया है। उम्मीद है कि यह 2026 में बड़े पर्दे पर उतर सकती है।

जूनियर महिला एशिया कप 2024

चीन को रौंदकर चैंपियन बनी भारत, सीएम साय बोले- हमारी बेटियां, हमारा गर्व!

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप 2024 का खिताब जीत लिया है। 15 दिसंबर 2024 को खेले गए फाइनल मैच में भारतीय हॉकी टीम ने चीन को मात दी। टीम इंडिया ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की। यह मुकाबला पहले 1-1 की बराबरी पर था। इसके बाद शूटआउट में भारत ने चीन को रौंदकर ये मैच जीता। भारत के लिए साक्षी राणा, मुमताज खान और इशिका ने कमाल का प्रदर्शन किया। गोलकीपर निधि ने भी जीत में अहम रोल निभाया। इस जीत बधाई देते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी बेटियां हमारा गर्व हैं।

भारत बनाम चीन के बीच खेले गए महिला जूनियर हॉकी एशिया कप 2024 के फाइनल मैच में चीन के लिए जिनझुआंग तान (30) ने पहला गोल किया, लेकिन कनिका सिवाच (41) ने भारत के लिए तीसरे क्वार्टर में बराबरी का गोल किया, जिससे मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। इसके बाद भारत की गोलकीपर निधि ने पेनल्टी शूटआउट के दौरान तीन अहम बचाव किए, जिससे टीम को ये खिताब जीतने में मदद मिली।

पेनल्टी शूटआउट में भारत के लिए साक्षी राणा, इशिका और सुनीता ने गोल किए। गोलकीपर निधि ने लिहांग वांग, जिंगी ली और डंडन जूओ के खिलाफतीन बचाव किए और भारत की जीत पक्की की। इस तरह शूटआउट में भारत ने चीन को रौंदकर लगातार दूसरी बार ये खिताब जीता। जीत के बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 2 लाख रुपये और प्रत्येक समर्थन स्टाफको 1 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। इससे पहले भारत ने जापान पर 3-1 से जीत हासिल कर फाइनल में एंट्री की थी, जबकि चीन ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण कोरियरा को हराया था।

सीएम साय ने दी बधाई

भारतीय महिला टीम की जीत पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी बेटियां हमारा गौरव। महिला जूनियर एशिया कप 2024 का खिताब जीतकर भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाया है। इस शानदार उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई! आपकी यह ऐतिहासिक जीत भारत के युवाओं के आत्मविश्वास और संकल्प को मजबूत करेगी। यह जीत देश-प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा देगी। आपकी इस उपलब्धि पर पुन: आप सभी को ढेरों शुभकामनाएं! जय हिंद, जय भारत!

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री से रत्नावली ने किया मुंगेली ओलंपिक के आयोजन का आग्रह

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा से भेंटकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले उन्होंने श्री वर्मा को गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने मुंगेली जिले में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की गतिविधियों से अवगत कराया और बस्तर ओलंपिक-2024 के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा को बधाई देते हुए कहा कि टीम विष्णु देव साय ने तो बस्तर में एक नया इतिहास ही रच दिया है। रत्नावली कौशल ने कहा कि बस्तर ओलंपिक में नक्सल प्रभावित युवाओं व महिलाओं और आत्म समर्पण कर चुके नक्सलियों का भाग लेना सुखद अनुभूति देने वाला पल था।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बस्तर ओलंपिक आयोजन की सराहना की जाने से हमें आत्म गौरव महसूस हो रहा है। तीन सौ आत्मसमर्पित नक्सलियों का बस्तर ओलंपिक में भाग लेना यह दर्शाता है कि नक्सलियों की स्लीपर सेल और उनके बहकावे में आए ग्रामीणों का नक्सलवाद से मोहभंग होता जा रहा है और उन्हें हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का सुशासन बहुत ही पसंद आ रहा है। वहीं आपने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से बस्तर ओलंपिक का आयोजन कर उन्हें एक बेहतरीन प्लेटफार्म दिया है। आपकी यह पहल सराहनीय है। अगले साल का बस्तर ओलंपिक निश्चित ही नया आयाम रचने वाला साबित होगा, ऐसा मुझे पूरा भरोसा है। इन उत्कृष्ट विचारों के लिए मंत्री श्री वर्मा ने सुश्री कौशल को धन्यवाद दिया।

रत्नावली कौशल ने खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री वर्मा से मुंगेली जिले में भी मुंगेली ओलंपिक का आयोजन कराने का आग्रह किया। इस पर श्री वर्मा ने रत्नावली कौशल से कहा कि बस्तर ओलंपिक के आयोजन के मकसद पर आपने स्वयं ही विचार रख दिए हैं, वहां के भटके युवाओं और आम ग्रामीणों को समाज एवं विकास की मुख्यधारा से जोडऩे के लिए बस्तर ओलंपिक की शुरुआत हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर हुई है।

पारदर्शिता और निष्पक्षता से जारी है वनरक्षकों की भर्ती : वनमंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि राज्य में वनरक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ चल रही है। उन्होंने कहा है कि राज्य में भर्ती प्रक्रिया को लेकर सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरूस्त करने और इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों को सजग रहने को कहा है। जिसके परिपालन में वन विभाग द्वारा 1,484 पदों के लिए सीधी भर्ती के तहत शारीरिक मापजोख और दक्षता परीक्षण प्रक्रिया में अत्याधुनिक तकनीकों और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं का उपयोग करते हुए निष्पक्ष चयन सुनिश्चित किया गया है, जिसकी उम्मीदवारों द्वारा सराहना की जा रही है। उम्मीदवारों ने बताया कि वन विभाग द्वारा अपनाई गई यह पारदर्शी और अत्याधुनिक प्रक्रिया न केवल भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता की मिसाल पेश करती है, बल्कि सुशासन के आदर्शों को भी मजबूती प्रदान करती है।

उल्लेखनीय है कि वनरक्षक पदों के लिए शारीरिक मापजोख और दक्षता परीक्षण विगत 16 नवंबर से प्रारंभ है। इन परीक्षणों में उम्मीदवारों की ऊंचाई और सीने की माप के साथ-साथ 200 मीटर और 800 मीटर दौड़, लंबी कूद, और गोला फेंक जैसे इवेंट शामिल हैं। उम्मीदवारों के प्रदर्शन का मूल्यांकन सटीक समय और दूरी के आधार पर किया जा रहा है। इसी तरह भर्ती प्रक्रिया में आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। पात्र उम्मीदवारों को बीआईबी नंबर एवं इलेक्ट्रॉनिक चिप प्रदान की जाती है। यह इलेक्ट्रॉनिक चिप उम्मीदवारों की दौड़ के दौरान सटीक समय दर्ज करती है। लंबी कूद और गोला फेंक के लिए लेजर-आधारित मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। सभी आंकड़े तुरंत केंद्रीय सर्वर पर दर्ज किए जा रहे हैं। जिससे डेटा प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे और चेहरे की पहचान प्रणाली (फेशियल रिकग्निशन सिस्टम) पूरी प्रक्रिया की निगरानी करते हैं। उम्मीदवारों को उनके स्कोर मौके पर ही बताए जाते हैं, जिस पर उनके हस्ताक्षर लिए जाते हैं। किसी भी विवाद की स्थिति में, सीसीटीवी फुटेज दिखाकर समस्या का समाधान किया जा रहा है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री वी. श्रीनिवास राव ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप और वन मंत्री श्री केदार कश्यप के नेतृत्व में विभाग निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। तकनीकी नवाचारों और सख्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए यह प्रक्रिया न केवल कुशल है बल्कि उम्मीदवारों के विश्वास को भी मजबूत करती है। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया की देखरेख वन मंडलाधिकारी और 140-150 वन कर्मचारियों की टीम द्वारा की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग के फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर्स को भी भर्ती प्रक्रिया की देखरेख के लिए विशेषज्ञ के रूप में शामिल किया गया है। उम्मीदवारों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है, जिसमें पीने का पानी, ओआरएस, प्राथमिक उपचार किट, स्वच्छ शौचालय, चेंजिंग रूम, सामान रखने की व्यवस्था, पार्किंग और मेडिकल सहायता शामिल हैं। बीमार या अन्य कारणों से अनुपस्थित उम्मीदवारों के फिटनेस टेस्ट के लिए रिजर्व दिन भी रखा गया है।

छत्तीसगढ़ में पारंपरिक वैद्यों का हो रहा सर्टिफिकेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर, दुर्ग और धमतरी के 100 से अधिक वैद्यों की चिकित्सा पद्धतियों का दस्तावेजीकरण पूर्ण

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा राज्य में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के संरक्षण के लिए पारंपरिक वैद्यों के सर्टिफिक्रेशन की पहल और औषधीय पौधों के उपयोग और इसके महत्व का दस्तावेजीकरण किया जा रहा है। यह जानकारी देहरादून में आयोजित औषधीय पौधों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में दी गई। संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से शामिल हुईं छत्तीसगढ़ जलवायु परिवर्तन केन्द्र में प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. देवयानी शर्मा ने बताया गया कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा क्वालिटी काउंसिल ऑफ़ इंडिया एवं बेंगलुरु स्थित ट्रांस-डिसिप्लिनरी हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के सहयोग से छत्तीसगढ़ में पारंपरिक वैद्यों के सर्टिफिक्रेशन की पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस सर्वेक्षण में बस्तर, दुर्ग और धमतरी क्षेत्रों के 100 से अधिक पारंपरिक वैद्यों की चिकित्सा पद्धतियों का दस्तावेजीकरण किया गया है।

डॉ. देवयानी शर्मा ने बताया कि वनमंत्री श्री केदार कश्यप की पहल पर छत्तीसगढ़ में वन विभाग के द्वारा संचालित संजीवनी केंद्रों में वैद्यों को मरीजों का उपचार करने के लिए स्थान उपलब्ध कराया गया है और कुछ वैद्यों को उनके सेवाओं के लिए पारिश्रमिक भी दिया जा रहा है। उन्होंने पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद मांझी का भी उल्लेख किया करते हुए बताया कि श्री मांझी ने नारायणपुर जिले में पिछले पांच दशकों से पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक पद्धतियों ने न केवल गंभीर बीमारियों का इलाज करने में अपनी उपयोगिता साबित की है, बल्कि यह सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक एकता को भी मजबूत करती हैं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को प्रोत्साहित करने के विज़न के अनुरूप पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने तथा अनुसंधान, मानकीकरण और नियमन के उद्देश्य से इस संगोष्ठी का आयोजन आयुष मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधीय पौधा बोर्ड द्वारा दसवीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी।

अरुण साव को इण्डियन वाटर वर्क्स एसोशिएशन ने राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता के लिए दिया आमंत्रण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंडियन वाटर वर्क्स एसोशिएशन ने रायपुर में होने वाले अपने 57वें राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता के लिए उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव को आमंत्रित किया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों एवं एसोशिएशन के सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री श्री साव से मुलाकात कर इसके लिए आमंत्रण दिया।

श्री साव ने अधिकारियों के आमंत्रण को स्वीकार करते हुए शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता की सहमति दी है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता डॉ. एम.एल. अग्रवाल और मुख्य अभियंता राजेश गुप्ता सहित विभागीय अभियंताओं की टीम ने उप मुख्यमंत्री से मिलकर आयोजन की अध्यक्षता का आमंत्रण दिया। इंडियन वाटर वर्क्स एसोशिएशन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य आतिथ्य के लिए आमंत्रित किया है। उल्लेखनीय है कि इंडियन वाटर वर्क्स एसोशिएशन के 57वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन रायपुर के जैनम मानस भवन में आगामी 10 जनवरी से 12 जनवरी तक किया गया है। तीन दिवसीय इस आयोजन में वाटर वर्क्स से जुड़े देश-विदेश के जाने-माने 400 से अधिक वरिष्ठ एवं अनुभवी इंजीनियर हिस्सेदारी करेंगे। छत्तीसगढ़ को दूसरी बार इस आयोजन की मेजबानी मिली है।

जनादेश परब : वृद्धाश्रम में खेलकूद आयोजन से बुजुर्गों में दिखा उत्साह

कवर्धा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव के सुशासन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनादेश परब के तहत जिले के समाज कल्याण विभाग ने कवर्धा स्थित वृद्धाश्रम में एक अनूठे खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस आयोजन का उद्देश्य वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को सक्रियता और खुशियों से भरपूर पलों का अनुभव कराना था। इस विशेष आयोजन में वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विभिन्न खेल गतिविधियों जैसे चेयर रेस, अंताक्षरी, गेंद फेंक, और स्मृति आधारित खेलों का आयोजन किया गया। बुजुर्गों ने इन खेलों में न केवल अपनी प्रतिभा दिखाई, बल्कि उत्साह और उमंग से आयोजन को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के दौरान कुछ बुजुर्गों ने अपने अनुभव साझा किए और कहा कि इतने वर्षों बाद उन्होंने इस तरह के आयोजन में भाग लिया है, जिससे उन्हें नई ऊर्जा और खुशी का अनुभव हुआ। एक बुजुर्ग ने कहा कि यह हमारे जीवन का एक विशेष दिन है। हमने अपने बचपन के दिनों की यादों को फिर से जी लिया। शारीरिक सक्रियता के साथ-साथ सामाजिक जुड़ाव का अनुभव कराना है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

दो पक्षों में विवाद के बाद जमकर चले लात घूंसे

बिलासपुर। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार सिरगिट्टी के आवास पारा में किराएदार बाहरी युवक उत्पात मचा रहे थे जिसके बाद स्थानीय और बाहरी युवकों के बीच कहासुनी हुई और दोनों पक्षों में झड़प हो गई।विवाद में दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे को लात घुसो से बेरहमी से पिटाई की गई है।

घटना का सीसी टीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें 8 से 10 युवक एक दूसरे की पिटाई करते नजर आ रहे हैं। मारपीट की घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने एसपी से इसकी शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। एसपी ने थानेदार को जांच कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

एलआईसी अधिकारी को केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर ठगे

बिलासपुर। न्यायधानी में लाखों की सायबर ठगी का मामला सामने आया है। शातिर ठगों ने एलआईसी अधिकारी को सायबर ठगी का शिकार बनाकर लाखों रुपए पार कर दिए। बैंक खाते में केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर ठगों ने एटीएम कार्ड, पेन कार्ड नंबर के साथ ओटीपी की जानकारी ले ली। जिसके बाद एलआईसी अधिकारी के बैंक खाते से 26 लाख से अधिक रुपए निकाल लिया गया। साथ ही क्रेडिट कार्ड से भी शॉपिंग की गई है।

बताया जा रहा है कि जॉनसन एक्का एलआईसी ऑफिस बिलासपुर में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। 7 दिसंबर दोपहर को जब जॉनसन एक्का अपने नेचर सिटी कॉलोनी स्थित घर पर थे, उनके पास एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल पर बात कर रहे युवक ने खुद को एक्सिस बैंक व्यापार विहार बिलासपुर अधिकारी बताया और अकाउंट का केवाईसी अपडेट कराने के लिए बैंक बुलाया। आगे कहा कि अगर आप बैंक नहीं आना चाहते तो केवाईसी ऑनलाइन भी हो जाएगा।

राजगढ़ में होमगार्ड सैनिक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

राजगढ़। राजगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र के बाराद्वारी मौहल्ले में रहने वाले होमगार्ड सैनिक ने रविवार शाम घर के बाथरुम में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरु की।

पुलिस के अनुसार होमगार्ड सैनिक प्रभूलाल (55)पुत्र जगन्नाथ दांगी निवासी बारद्वारी मौहल्ला राजगढ़ ने घर के बाथरुम में रस्सी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। बताया गया है कि व्यक्ति होमगार्ड में सैनिक था और वह कलेक्ट्रेट कार्यालय में गार्ड के रुप में पदस्थ था। व्यक्ति ने किन हालातों के चलते यह आत्मघाती कदम उठाया, इसका वास्तविक कारण पता नही लग सका। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरु की।

करंट की चपेट में आया युवक, मौत

कोरबा। कोरबा में एक युवक 11केवी लाइन की चपेट में आ गया। वह जिले के परसाखोल पिकनिक स्पॉट पर 11 केवी लाइन से अवैध रूप से कनेक्शन जोड़ रहा था। इसी दौरान अचानक उसे तेज करंट लगा और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं अन्य कई पर्यटक भी बाल-बाल बचे।

महाराष्ट्र में फंसे 27 बंधक मजदूरों की हुई सकुशल घर वापसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा संचालित सम्पर्क केन्द्र से लोगों की अनेक समस्याओं का समाधान हो रहा है। अब यह सम्पर्क केंद्र बंधक मजदूरों के लिए भी घर वापसी का कारगर माध्यम बन गया है। तहसील बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम परसाभदेर के 17 मजदूरों को महाराष्ट्र के ग्राम कोपरा, तहसील अम्बाजोगाई जिला बीड़ में बंधुआ बना कर काम लिए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सम्पर्क केन्द्र द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग एवं श्रम विभाग से समन्वय कर 13 दिसम्बर 2024 को उक्त मजदूरों को बंधक मुक्त कराया गया है और 15 दिसम्बर को सकुशल घर पहुंच गए है।

इसमें 10 मजदूर बिलासपुर जिले के भी है। ठेकेदार के चंगुल से मुक्त होने पर मजदूरों ने सोमवार को कलेक्टर दीपक सोनी से भेंट कर प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कलेक्टर ने सभी मजदूरों को स्थानीय स्तर पर ही रोजी मजदूरी करने की सलाह दी। मजदूरों ने बताया कि जय आनंद काम्बले नामक व्यक्ति द्वारा मजूदरों को अधिक राशि का लाभ देकर बुलाया गया। मजदूरों के वहां पहुंचने के कुछ दिनों तक बिना काम कराये रखा गया। लगभग 10 दिन बाद जय आनंद काम्बले द्वारा मजदूरों को परमेश्वर नामक व्यक्ति के अधीन कार्य करने के लिए छोड दिया। जहां मजदूरों से अमानवीय तरीके से कार्य कराया जाता था।

मजदूरों द्वारा विरोध करने पर उनको ज्ञात हुआ कि जय आनंद काम्बले ने 3 लाख रूपए में परमेश्वर को बेच दिया गया है। मजदूरों ने इस घटना की सूचना अपने परिजनों को दिया गया। तत्पश्चात परिजनों द्वारा बलौदाबाजार में कलेक्टर दीपक सोनी के नवाचारी पहल के तहत संचालित सम्पर्क केन्द्र में सम्पर्क कर सम्पूर्ण घटना का विवरण दिया। बंधक मजदूरों में पीयेन्द्र मनहरे, सावित्री मनहरे, सुरजा मनहरे, सुहानी मनहरे, साधना मनहरे, निलेश मनहरे, कन्हैया मनहरे, आशीन मनहरे, राजकुमारी, दशरथ, सागर जोसेफ सहित 17 अन्य एवं बिलासपुर जिले के 10 मजदूर शामिल हैं।

डिप्टी कलेक्टर की कार ने बाइक सवार को कुचला

बालोद। जिले के डौंडी थाना क्षेत्र के मर्चुरी के पास डिप्टी कलेक्टर की कार से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय अलख राम के रूप में हुई, जो ग्राम बोगर, भानुप्रतापपुर का निवासी था। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, डौंडी विकासखंड के रहने वाले डिप्टी कलेक्टर दिलीप उईके फिलहाल बीजापुर में नियुक्त हैं। डिप्टी कलेक्टर का ड्राइवर आज उनके माता-पिता को इलाज के लिए अस्पताल ले गया था। जहां से वापस लौटते वक्त विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल से उनकी कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे की भयावहता का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि टक्कर के बाद बाइक गाड़ी के सामने इंजिन के पास जाकर फंस गई थी, जिससे उसके परखच्चे उड़ गए। वहीं बाइक सवार युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही डौंडी पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

12वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

पेंड्रा। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक 12वीं की छात्रा ने पढ़ाई के प्रेसर में आत्महत्या कर ली। खासबात यह है कि आत्महत्या से पहले उसने अपने दोस्तों से बात की औश्र पढ़ाई का काफी प्रेसर होना बताया। एक दोस्त को यह भी बताया कि वह फांसी लगा रही है। जब छात्रा के दोस्त उसके घर पहुंचते उसने खुदकुशी कर ली थी। हालांकि उसके दोस्त उसे फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचे लेकिन देर हो चुकी थी। घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार छात्रा पेंड्रा थाना क्षेत्र के पंचम केशरी के चाल में रहती थी। उसके माता पिता सरकारी नौकरी में हैं। सोमवार की सुबह उसके माता पिता काम पर चले गए। इसके बाद छात्रा ने अपनी एक सहेली को फोन किया और उसे जन्मदिन की बधाई दी। साथ ही उसने यह भी बताया कि पढ़ाई के कारण काफी परेशान है। छात्रा इस साल हाफ इयरली एग्जाम में भी शामिल हुई थी। पढाई को लेकर परेशानी की बात अक्सर अपने दोस्तों को बताती थी। यही नहीं पिछले कुछ दिनों से वह स्कूल भी नहीं जा रही थी। इस बीच सोमवार को उसने अपने एक दोस्त को फोन कर कहा कि पढ़ाई का काफी प्रेसर है और बर्दाश्त नहीं होता। छात्रा ने अपने दोस्त से कहा कि वह फांसी लगा लेगी। इसके बाद उसका दोस्त अन्य साथियों के साथ छात्रा के घर पहुंचा लेकिन तब तक वह फंदे पर झूल चुकी थी। इसके बाद दोस्तों ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों से उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना के बाद स्कूल से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अस्पताल पहुंची। पेंड्रा पुलिस भी अस्पताल पहुंची। परिजनों को जानकारी मिलने के बाद वे भी अस्पताल पहुंचे। सभी छात्रा के इस कदम को लेकर काफी शॉक्ड दिखे। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के पीछे पढ़ाई को लेकर डिप्रेशन को ही कारण माना जा रहा है।

लाखों की ईनामी महिला नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा (ए.)। दंतेवाड़ा में पुलिस की विशेष पहल घर वापस आईए अभियान अंतर्गत सोमवार को पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। पुलिस उपमहानिरीक्षक कमलोचन कश्यप और पुलिस अधीक्षक गौरव राय के समक्ष महिला नक्सली लीडर केरलपाल एरिया कमेटी सदस्य-नागाराम एलओएस कमांडर हड़में मांडवी ने आत्मसमर्पण किया।

उक्त नक्सली लीडर सुकमा जिला अंतर्गत थाना कुकानार के छोटे लखापाल गांव की निवासी हैं। उक्त नक्सली लीडर विभिन्न कैडर में पद ग्रहण कर नक्सली संगठन में सक्रिय थी। यह महिला नक्सली वर्तमान में नागाराम एलओएस कमांडर के तौर पर कार्यरत थी। इससे पूर्व दरभा डिवीजन अंतर्गत डुमाम एलओएस कमांडर के रूप में सक्रिय थी। वहीं पेद्दारास एलओएस सदस्य के तौर पर भी नक्सली संगठन में कार्यरत थी। यह महिला नक्सली वर्ष - 2017 में मारजूम, डब्बा और गुमोड़ी में हुई पुलिस नक्सली मुठभेड़ में शामिल थी। इससे पूर्व वर्ष - 2016 में ग्राम कुन्ना में हुई पुलिस - नक्सली मुठभेड़ में भी शामिल थी। उक्त नक्सली लीडर वर्ष - 2013 से नक्सली संगठन में शामिल हुई। उसने छोटे लखापाल जीआरडी सदस्य और के ए एम एस अध्यक्ष के रूप में कार्य किया ।राज्य शासन द्वारा उक्त कैडर के नक्सली की गिरफ्तारी पर 5 लाख रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था। इस सफलता में जिला आरक्षी बल और बस्तर फाइटर के जवानों का सराहनीय योगदान था। घर वापस आईए अभियान अंतर्गत कुल 887 नक्सलियों ने घर वापसी की है, इनमें 207 नक्सली लीडर प्रमुख रूप से शामिल है। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के मुताबिक आत्मसमर्पित नक्सलियों के बेहतर पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। जिससे वह बेहतर नागरिक बन सकें।

रायपुर रेलवे स्टेशन में दो पॉकेटमार को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बीच उपद्रव मचाने और चोरी की योजना बना रहे दो आदतन पॉकेटमारों को पकड़ने में आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम को सफलता मिली है। यह कार्रवाई वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रमन कुमार, रेलवे सुरक्षा बल रायपुर के निर्देशन में 14 दिसंबर को हुई। मंडल टास्क टीम, आरपीएफपोस्ट रायपुर, और जीआरपी रायपुर ने प्लेटफार्म संख्या 5 के फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के नीचे गश्त और जांच के दौरान समय 12:00 बजे संदिग्ध स्थिति में खड़े दो व्यक्तियों को पकड़ा।

पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे यात्रियों के मोबाइल और पर्स चोरी करने की मंशा से स्टेशन पर आए थे। उनके नाम और पते इस प्रकार हैं: सत्य प्रकाश भारती उर्फ आशीष (20 वर्ष) - निवासी राम नगर, रेवा किराना स्टोर गली, थाना गुढियारी, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)। लकेश्वर प्रसाद साहू उर्फ लक्की (32 वर्ष) - निवासी ग्राम खटिया पाटी, पुराना सचिव पारा, थाना सिटी कोतवाली, जिला बलौदा बाजार (छत्तीसगढ़) शामिल हैं। जीआरपी थाना रायपुर ने दोनों के खिलाफ ईस्तगासा क्रमांक 67/24 के तहत धारा 170, 126, 135(3) BNS के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपियों को 14 दिसंबर 2024 को एसडीएम न्यायालय रायपुर

के समक्ष पेश किया गया। यह गिरफ्तारी रायपुर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा और गश्त को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अधिकारियों ने यात्रियों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत आरपीएफ या जीआरपी को देने की अपील की है।

रात में घुसा गजराज और ले ली अधेड़ की जान, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। सूरजपुर प्रतापपुर वन परिक्षेत्र सरसताल में दल से बिछड़ कर एक हाथी ने 50 वर्षीय ग्रामीण को कुचल कर मार डाला दरहसल बीती रात दल से पिछड़ कर आए एक हाथी का सामना ग्रामीण से हो गया जहां हाथी ने ग्रामीण को कुचल कर मार डाला। गांव के लोगों ने बताया की गांव में लाइट नही होने के कारण हाथी की आवाज सुनकर मृतक घर से बाहर निकला था तभी उनका सामना हाथी से हो गया और उसी जगह हाथी ने उसे मार डाला।

गुस्साए ग्रामीणों ने शव को रखकर चक्का जाम कर दिया और वन विभाग, विजली विभाग के खिलाफ कार्यवाही की मांग करने लगे। इसकी जानकारी मिलते ही प्रतापपुर जनपद पंचायत के अध्यक्ष जगत आयाम भी मौके पर पहुंच गए और उनका समर्थन किया वहीं चक्का जाम की जानकारी मिलते ही प्रतापपुर एसडीएम, पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझाइए देने लगे. ग्रामीणों का गुस्सा बिजली विभाग और वन विभाग के ख़िलाफ़ था। उनका कहना था कि वन विभाग के लापरवाही के कारण आए दिन ग्रामीण को अपनी जान गंवाना पड़ रहा है। बिजली होने के बाद भी हमेशा कटौती रहती है जिससे इस तरह की घटना हो रही है। एसडीएम ने आश्वासन दिया कि बिजली विभाग को बुलाया जाएगा और उनसे चर्चा करके आगे लाइट कटौती न हो उस पर ध्यान देने की बात कहीं तब कहीं जाकर चक्का जाम समाप्त हुआ।

गजराजों की चिंघाड़ से सूईआरा जंगल गूंजा, ग्रामीणों में दहशत

कोरबा। करतला रेंज में विगत एक पखवाड़े से सक्रिय 50 हाथियों का दल अब सूईआरा जंगल पहुंच गये है। इस दल में चोटिल हाथी भी शामिल हो गया है। बीती रात अचानक पहुंचे दल ने सूईआरा गांव में ग्रामीणों के खलिहान में प्रवेशकर वहां रखे धान की खरही को खाने के साथ ही इतर-बीतर कर दिया। इतना ही नहीं खेतों व बाड़ी में पहुंचकर वहां लगे धान की फसल व सब्जी के पौधों को भी तहस-नहस कर दिया है। हाथियों का उत्पात रात भर चला। इस दौरान गांव हाथियों की चिंघाड़ से गुजंता रहा और ग्रामीण मारे डर के अपने-अपने घरों में दुबके रहे। बड़ी संख्या में हाथियों के आने तथा उत्पात मचाये जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग का अमला सुबह सूईआरा गांव पहुंचा और रात में हाथियों द्वारा किए गए नुकसान का आकंलन करने के साथ ही रिपोर्ट तैयार की।

एक अनुमान के मुताबिक हाथियों के उत्पात में ग्रामीणों को हजारों रूपये की चपत लगी है। इस बीच कोटमेर जंगल में घुम रहे पैरों से चोटिल हाथी भी सूईआरा पहुंच हाथियों के दल में शामिल हो गया है, जहां बीती रात हाथियों के दल ने करतला रेंज के सूईआरा में जमकर उत्पात मचाया वहीं कुदमुरा रेंज में भी 29 हाथी सक्रिय है। हाथियों का दल कुदमुरा व धरमजयगढ़ के बॉडर में विचरण कर रहा है। कल यह दल अचानक कुदमुरा में प्रवेश किया था और रेंज के गितकुंवारी क्षेत्र में दिनभर विचरण करने के बाद बॉडर पहुंच गया। उधर कटघोरा वनमंडल के एतमानगर व पसान वन परिक्षेत्र में हाथियों का अलग-अलग विभिन्न स्थानों पर घुम रहा है। इसमें 18 हाथी एतमानगर के मढ़ई जंगल तथा 32 हाथी पसान के बीजाढांढ़ व अन्य क्षेत्रों में मौजूद है। बताया जाता है कि हाथियों का दल दिन भर जंगल में विश्राम करते है और शाम होने के बाद जंगल से निकलकर अलग-अलग समूहों में बंटकर खेतों में पहुंच जाते है और वहां लगे अरहर तथा अन्य रवी फसलों को नुकसान पहुंचाते है। जिससे ग्रामीण काफी हलाकान है।

पुलिस ने जंगल के रास्ते मवेशी ले जाते तस्कर को पकड़ा, 10 गायों को छुड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गो-तस्करी पर नकेल कसने एसपी शशिमोहन सिंह द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अभियान को सफलता मिल रही है और लगातार गो-तस्करी करने वाले पकड़ा रहे हैं। इसी कड़ी में पुलिस ने रविवार को जंगल के रास्ते गायों को क्रूरतापूर्वक ले जा रहे तस्कर को पकड़ा है। यह कार्रवाई जिले के मनोरा चौकी पुलिस ने की है। पुलिस ने तस्कर को गिरफ्तार कर उनके पास से 10 मवेशियों को बरामद किया है। वहीं इस मामले में दो तस्कर फरार हो गए हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

दरअसल रविवार को मनोरा पुलिस को मुखबिर जरिए सूचना मिली की तीन व्यक्ति ग्राम सरूवा केराकोना से केशरा होते हुए 9 से 10 गौ वंश को क्रूरता पूर्वक मारते पीटते हुए गोविंदपुर झारखंड की ओर ले जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर चौकी प्रभारी मनोरा एएसआई जय सिंह मिर्रे द्वारा हमराह स्टॉफ के साथ मुखबिर के बताए स्थान में जाकर घेरा बंदी की। इस दौरान मवेशियों को हांकने वाला एक आरोपी पकड़ाया, दो अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग गए। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी फ्रिदियूस तिर्की (40) निवासी कजरा थाना नारायणपुर के कब्जे से 10 नग गौ वंश को मुक्त कराया गया है।

पशु तस्करों के विरुद्ध जारी है अभियान

ज्ञात हो की जशपुर पुलिस द्वारा पशु तस्करों के विरुद्ध महा अभियान लगातार जारी है, जब से जिले में नाकाबंदी सख्त हुई है, पशु तस्करों के हौसले पस्त हो चुके है, वे लगातार नए तरीकों से पशु तस्करी का प्रयास कर रहे हैं, परंतु जशपुर पुलिस सदैव सजग है व लगातार पशु तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे है। उपरोक्त कार्यवाही व आरोपी की गिरफ्तारी में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी जशपुर चंद्र शेखर परमा , सहायक उप निरीक्षक जय सिंह मिर्रे, आरक्षक प्रदीप किंडो, आरक्षक भीख राम, महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कार्रवाई से डरकर रणनीति में कर रहे बदलाव

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंहने बताया कि पशु तस्कर लगातार अपने तरीकों में बदलाव कर रहे हैं, उसी के आधार जशपुर पुलिस रणनीति बनाकर कार्य कर रही है, व पशु तस्करों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही कर रही है।छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पूर्व सरपंच और भाजपा नेता सुकलू फरसा की हत्या की हत्या करने वाले 4 नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये चारों जनमिलिशिया कैडर के हैं। सर्चिंग के दौरान छत्र की टीम ने इन्हें पकड़ा है। मामला जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र का है।

पुलिस की तत्परता से 4 घंटे में पकड़ाया कार चोर

कवर्धा। पुलिस की तत्परता से एक लग्जरी कार चोरी वाले चोर को 4 घंटे के अंदर की गिरफ्तार कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार अंकित अग्रवाल पिता कन्हैया अग्रवाल, 32 वर्ष, निवासी मजगांव रोड, कवर्धा, ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 14 दिसंबर की रात्रि लगभग 10:30 बजे उन्होंने अपनी काला रंग की सीवीयू फोर्ड एंडेवर कार क्रमांक सजी 09 जेएल 0009, कीमत 45 लाख रूपये को अपने घर की बाउंड्री के अंदर पार्क किया था। कार की चाबी उसी में लगी हुई थी और घर का मुख्य गेट बंद था। 15 दिसंबर को सुबह 10 बजे जब देखा, तो उनकी कार पार्किंग में नहीं थी। उन्होंने तुरंत घर में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें पाया गया कि रात लगभग 9:20 बजे एक अज्ञात व्यक्ति उनकी कार चोरी कर ले गया।

छत्तीसगढ़ में डेयरी और वन उपज विकास को गति देने की पहल, गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुआ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

अमित शाह ने कहा- छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रदेश है जहां कुदरत ने अपनी संपदा को भरपूर मात्रा में बांटा है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने सहकारी विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में सोमवार को दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल प्रदेश में डेयरी और वन उपज विकास को गति देने के साथ ही आदिवासी समुदाय और किसानों के उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच डेयरी क्षेत्र के विकास के लिए समझौता हुआ। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित और राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) के बीच एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रदेश है, जहां कुदरत ने अपनी संपदा को भरपूर मात्रा में बांटा है। यहां न तो पानी की कमी है, न भूमि की और न मेहनतकश लोगों की। आवश्यकता थी केवल एक अच्छी शुरुआत की। आज के इस कार्यक्रम में डेयरी और वन उपज के क्षेत्र में दो नई और सकारात्मक शुरुआत हुई हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया यह समझ चुकी है कि हमारे खानपान में रासायनिक तत्वों की बढ़ती मात्रा के कारण कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। ऑर्गेनिक खेती न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह पर्यावरण और भूमि की उर्वरता के लिए भी अनुकूल है।

किसानों से अपील- सहकारी समितियों से जुड़ें

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के किसानों से अपील की कि वे सहकारी समितियों से जुड़कर अपनी आय में वृद्धि करें और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनें। यह समझौता प्रदेश के डेयरी उद्योग और ग्रामीण विकास के लिए एक नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान करेगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के प्रतिनिधि, दुग्ध सहकारी समिति से जुड़े किसान, महिला किसान, वनोपज सहकारी समिति के सदस्य उपस्थित थे।

गृहमंत्री ने किया गुजरात का अनुभव साझा

उन्होंने गुजरात के अनुभव साझा करते हुए बताया कि वहां देसी गाय के गोबर से ऑर्गेनिक खाद बनाकर 21 एकड़ भूमि पर खेती सफलतापूर्वक की जा रही है। उन्होंने कहा कि जैविक खेती के माध्यम से हम कृषि को लाभकारी बना सकते हैं और भूमि की उर्वरता को पुनर्जीवित कर सकते हैं। वन उपज के विकास को लेकर उन्होंने कहा कि आज से जनजातीय समुदाय की वन उपज, जो पहले कौड़ियों के दाम पर बिक जाती थी, अब सर्टिफिकेशन और बेहतर मार्केटिंग के माध्यम से उचित मूल्य पर बेची जाएगी। इससे आदिवासी समुदाय को सशक्त करने और उनकी आय में वृद्धि करने में मदद मिलेगी। उन्होंने राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) की स्थापना को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इसके तहत देशभर में जैविक उत्पादों का परीक्षण और सर्टिफिकेशन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार और इन योजनाओं से जुड़े सभी अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कदम प्रदेश को विकास और समृद्धि की दिशा में ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

पीएम के नेतृत्व में किसानों की आय दोगुनी करने का प्रयास

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयासों के तहत पशुपालन और डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने इस पहल को 'डबल इंजन सरकार' के तेजी से काम करने और परिणाम देने की कार्यशैली का उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समझौते के माध्यम से प्रदेश में तकनीकी उन्नयन, पेशेवर अनुभव और डेयरी उद्योग के विकास में एनडीडीबी की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा। डेयरी उद्योग से न केवल रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और प्रदेशवासियों के पोषण स्तर में भी सुधार होगा। दूध उत्पादन के बढ़ने से सुपोषण अभियान को नई दिशा मिलेगी, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और विकास में सहायता मिलेगी।

सहकारी समितियों से 16,324 पशुपालक जुड़े

सीएम साय ने कहा कि वर्तमान में सहकारी समितियों से 16,324 पशुपालक जुड़े हुए हैं, जिन्हें निकट भविष्य में बढ़ाकर 1.5 लाख किया जाएगा। इन पशुपालकों को आधुनिक तकनीक और मशीनों की सहायता से दूध की जांच और तत्काल भुगतान की सुविधा प्रदान की जाएगी। अनुसूचित वर्ग के लोगों को दो दुधारू गाय प्रदान करने की योजना से डेयरी उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक अवसर के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का विशेष रूप से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता उनकी दूरदृष्टि और मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने एनडीडीबी और छत्तीसगढ़ दुग्ध महासंघ के सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह साझेदारी प्रदेश को विकास और समृद्धि की दिशा में ले जाने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

प्रदेश में वर्तमान में 621 सहकारी समितियां कार्यरत

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 621 सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इस समझौते के माध्यम से आगामी तीन वर्षों में 3200 नई समितियों की स्थापना के साथ 3850 गांवों को जोड़ा जाएगा। साथ ही, 6 जिलों के 300 गांवों में मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन की स्थापना की जाएगी। दुग्ध संकलन, जो वर्तमान में प्रतिदिन 75,000 किलोलीटर है, अगले तीन वर्षों में 5 लाख किलोलीटर प्रतिदिन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, 220 बल्क मिल्क कूलर इकाइयों की स्थापना की जाएगी। साथ ही, इन गांवों में बायोगैस और बायो फर्टिलाइजर प्लांट की स्थापना से किसानों की आय में वृद्धि होगी।

गृहमंत्री अमित शाह बोले- नक्सलियों के खात्मे के लिए तीन मोर्चे पर काम कर रही छत्तीसगढ़, फिर दोहराई 31 मार्च वाली बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के बस्तर दौरे पर दूसरे दिन नक्सल पीड़ित परिवारों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने फिर दोहराया कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को पूरी तरह से नक्सलियों से मुक्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 के बाद माँ दंतेश्वरी की भूमि पर नक्सलवाद के नाम पर एक भी बूंद खून नहीं बहेगा। छत्तीसगढ़ सरकार नक्सलियों के खात्मे के लिए तीन मोर्चों पर काम कर रही है। आत्मसमर्पण करने वालों का स्वागत, हिंसा का रास्ता न छोड़ने वालों को गिरफ्तार करना और लोगों की जान लेने पर आमादा नक्सलियों को सजा देना।

अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बनाया गया ये स्मारक लंबी और वीरतापूर्ण लड़ाई में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को सम्मान और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि यहां सभी 1399 शहीदों के नाम अंकित किए गए हैं। श्री शाह ने कहा कि वर्तमान छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले साल अपने गठन के समय जल्द से जल्द नक्सलवाद को समूल समाप्त करने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि अब किसी को नक्सलवाद के कारण अपना परिजन न गंवाना पड़े इसके लिए इस समस्या को पूरी तरह समाप्त करना है और इस दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार 3 मोर्चों पर दृढ़ता से काम कर रही है। गृह मंत्री ने कहा कि जो आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, उनका समाज की मुख्यधारा में स्वागत है, जो हिंसा का रास्ता नहीं छोड़ते, उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास और जो किसी की जान लेने पर आमादा हैं, उन्हें सज़ा दी जाएगी।

लोगों के कल्याण के लिए चरणबद्ध योजना बनाई

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलवाद के कारण पिछड़े गांवों और लोगों के कल्याण के लिए चरणबद्ध योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की विकास योजनाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का मज़बूत समर्थन और सहयोग प्राप्त है। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए 15 हज़ार आवास स्वीकृत किए हैं और हर गांव में सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का 100 प्रतिशत सैचुरेशन और उनमें नक्सलवाद के कारण पीड़ित परिवारों को प्राथमिकता देने का काम भी किया जा रहा है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नक्सलवाद मुक्त भारत के अभियान को इस समस्या से पीड़ित परिवारों का समर्थन भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का गृह मंत्रालय, जनजातीय मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय मिलकर पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता देने का भरपूर प्रयास करेंगे।

एक साल के भीतर 837 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गृहमंत्री शाह ने कहा कि एक साल के अंदर छत्तीसगढ़ में 287 नक्सलियों को मारा गया, लगभग 1000 नक्सली गिरफ्तार हुए और 837 ने आत्मसमर्पण किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के एक साल में सबसे ज्यादा नक्सलवाद के क्षेत्र में कमी, नक्सली न्यूट्रलाइज्ड, आत्मसमर्पण और गिरफ्तार हुए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने एक साल में बहुत अच्छी और सटीक रणनीति के साथ काम किया है। श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस के सभी बलों ने मिलकर तय दिशा और रणनीति के तहत एक मज़बूत अभियान शुरू किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 31 मार्च 2026 के बाद माँ दंतेश्वरी की भूमि पर नक्सलवाद के नाम पर एक भी बूँद खून नहीं बहेगा।

नक्सलमुक्त भारत में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा जवानों का नामः अमित शाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लगाने के अपने मिशन के तहत आज बीजापुर के सुदूर एवं माओवाद प्रभावित क्षेत्र गुण्डम में तैनात सुरक्षाबलों के जवानों के बीच पहुंचे। उन्होंने स्थित केन्द्रीय रिजर्व बल 153वीं वाहिनी बटालियन के कैम्प में सीआरपीएफ कोबरा, डीआरजी सहित सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों से सीधे नक्सल ऑपरेशन की मैदानी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जवानों के साथ दोपहर का भोजन भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा की विगत एक वर्ष में बस्तर को नक्सल मुक्त करने नवीन सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई है, जिसका सकारात्मक परिणाम यह रहा है की हमारे जवानों को नक्सल ऑपरेशन में लगातार सफलता मिली। बहुत बड़ी संख्या में नक्सली मारे गये, नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और उनकी गिरफ्तारी हुई। वह दिन दूर नहीं जब बस्तर और हमारा देश नक्सल प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत बनाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

कैम्प परिसर में किया पौधरोपण

बीजापुर के गुण्डम प्रवास के दौरान केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कैम्प परिसर में बरगद का पौधा तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सल्फी का पौधा रोपा। उन्होंने इस मौके पर कैम्प परिसर के सामने नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीआरपीएफ, पुलिस एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि नक्सलमुक्त अभियान में सीआरपीएफ बीएसएफ कोबरा, छत्तीसगढ़ पुलिस, बस्तरिया बटालियन सहित सभी सुरक्षाबलों का महत्वपूर्ण योगदान है। श्री अमित शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज नक्सलवाद समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। उन्होने कहा कि सुरक्षा कैम्प के दायरे में आने वाले गांवों में सुरक्षाबल के अधिकारी यह अवश्य देखें की शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर कितनी अच्छी तरह हो रहा है, लोगों को उनके अधिकार मिल रहे हैं कि नही। शासन की योजनाओं का समुचित ढंग से लाभ ग्रामीणों को मिलते रहेगा तो वे शासन और प्रशासन के प्रति समर्पित भाव से सहयोग करेंगे और विकास की ओर अग्रसर होंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950